E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 191 | प्रयागराज, गुरूवार 19 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने मोदी की तारीफ करी तारीफ़ कहा- वे टफ इंसान,ईरान को धमकी- वह पागल देश, उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे

मनीला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की मंगलवार को फिलीपींस में मुलाकात हुई। दोनों लीडर राजधानी मनीला में हो रही क्वाड मीटिंग में शामिल हुए। ट्रम्प ने मोदी की तारीफ की और कहा कि वे टफ इंसान हैं। क्वाड बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज शामिल हुए हैं। ट्रम्प ने बैठक के दौरान ईरान पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरान पागल देश है। इसी वजह से उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जा सकता। रेयर अर्थ पर क्वाड देशों के बीच समझौता हुआ:-क्वाड देशों के बीच रेयर अर्थ समेत जरूरी खनिजों की सप्लाई बनाए रखने के लिए समझौता हुआ है। इसके तहत चारों देश इन खनिजों को जमीन से निकालने, साफ करने और दोबारा इस्तेमाल करने में एक-दूसरे की मदद करेंगे। इसके लिए नए प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाया जाएगा और तकनीक भी साझा की जाएगी। इस समझौते



का मकसद चीन पर निर्भरता कम करना है, ताकि अगर चीन इन खनिजों की सप्लाई रोकता है तो दूसरे देशों के उद्योगों पर इसका असर न पड़े। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका में रेयर अर्थ का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अगले 10 महीनों में इस मामले में चीन की बराबरी कर लेगा।इलेक्ट्रॉनिक्स से आईटी तक में रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल। ये 17 तरह के खास रासायनिक तत्व होते हैं। मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर और टीवी बनाने में इनका इस्तेमाल होता है। इलेक्ट्रिक कारों और उनकी मोटरों में इनकी जरूरत पड़ती है। सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाली तकनीक में भी ये काम आते हैं।मिसाइल, लड़ाकू विमान और दूसरे सैन्य हथियार बनाने में इनका इस्तेमाल होता है। पेट्रोल-डीजल बनाने वाली रिफाइनरी और केमिकल फैक्ट्रियों में भी इनकी जरूरत होती है। आधुनिक तकनीक और हाईटेक उपकरणों की बढ़ती मांग के कारण इनकी अहमियत लगातार बढ़ रही है। चीन ने पिछले कई दशकों में रेयर अर्थ के खनन के साथ उनकी प्रोसेसिंग पर भी निवेश किया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आई.ई.ए) के मुताबिक, 2024 में दुनिया की कुल रेयर अर्थ प्रोसेसिंग में चीन की हिस्सेदारी करीब 91फीसदी थी। चीन ने कम लागत पर बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की क्षमता विकसित की है। यही वजह है कि दूसरे देशों में खनन होने के बाद भी कई बार इन खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए चीन पर निर्भर रहना पड़ता है। 2025 में चीन ने कुछ रेयर अर्थ के निर्यात पर पाबंदियां कड़ी की थीं। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनियों की सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई। इसी निर्भरता को कम करने के लिए क्वाड देश मिलकर काम कर रहे हैं।

शहबाज-मुनीर की जोड़ी दुनिया के प्रभावशाली मुस्लिमों में नंबर-1, सऊदी, तुर्किये से रक्षा समझौता वजह बना

टॉप-50 में मौलाना मदनी एकलौतें भारतीय

अम्मान। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की जोड़ी को 2027 के दुनिया के सबसे प्रभावशाली मुस्लिमों की लिस्ट में पहला स्थान मिला है। यह लिस्ट जॉर्डन के थिंक टैंक रॉयल इस्लामिक स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर (आर.आई.एस.एस.सी) ने जारी की है।पाकिस्तानी जोड़ी के अलावा सऊदी अरब के किंग सलमान, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को भी संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला है। 2026 की लिस्ट में आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ का नाम टॉप-50 में भी नहीं था। इस बार उन्हें शामिल करने की वजह पाकिस्तान का सऊदी और तुर्किये से मक्का समझौता है। इस समझौते के तहत अगर तीन देशों में से किसी एक पर हमला होता है, तो बाकी दो देश भी इसे अपने ऊपर हमला मानेंगे और उसकी मदद करेंगे। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी टॉप-50 में शामिल होने वाले इकलौते भारतीय हैं। उन्हें 18वां स्थान मिला है। पिछले साल वे 16वें स्थान पर थे। आर.आई.एस.एस.सी 2009 से हर साल 'द मुस्लिम 500' नाम की लिस्ट जारी कर रहा है। पिछले 18 साल में यह पहली बार है जब पांच नेताओं को एक साथ पहला स्थान दिया गया है। 2027 की लिस्ट में ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद कतर के शेख तमीम बिन हमद अल-थानी पांचवें और



डॉक्टर हुसाम अबू सफिया।

जॉर्डन किंग अबदुल्ला छठे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के मुफ्ती तकी उस्मानी सातवें और यमन के हूती नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती 17वें नंबर पर हैं। अफगानिस्तान के तालिबान सुप्रीम लीडर हैबतुल्लाह अखुंदजादा, सीरिया के अहमद अल-शरा और न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी भी टॉप-50 में शामिल हैं। गाजा में बच्चों के डॉक्टर हुसाम अबू सफिया को 2027 का 'मैन ऑफ द ईयर' चुना गया है। उन्हें यह सम्मान युद्ध के दौरान मरीजों को छोड़कर अस्पताल से जाने से इनकार करने और अपनी जान जोखिम में डालकर उनका इलाज जारी रखने के लिए दिया गया है।

27 दिसंबर 2024 को इजराइली सेना ने कमाल अदवान अस्पताल पर हमला किया और उसमें आग लगा दी। उस समय सफिया सफेद कोट पहने अस्पताल से बाहर निकले और वहां मौजूद इजराइली बख्तरबंद गाड़ियों की ओर बढ़े। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले अस्पताल में इजराइली हमले में उनके बेटे इब्राहिम की मौत हो गई थी, लेकिन उन्होंने मरीजों का इलाज जारी रखा। वह करीब 2 साल से बिना आरोप और मुकदमे के इजराइली हिरासत में हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

हिंदू-सिखों के खिलाफ नफरत बर्दाश्त नहीं,वॉशिंगटन हो या दिल्ली ऐसी राजनीति रोकनी होगीः- ममदाना

ऑफिस में दिवाली मनाई, रामायण-महाभारत की तारीफ करी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। उन्होंने मंगलवार को अपने कार्यालय में दिवाली कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक साल में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाई गई। ममदानी ने कहा, 'चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, हमें ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो हमारी जिंदगी में अंधेरा लाती है।' उन्होंने लोगों से समाज में डर और नफरत फैलाने वाली राजनीति का विरोध करने की अपील की। दिवाली कार्यक्रम में ममदानी ने रामायण और महाभारत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रामायण हमें सिखाती है कि कैसा भाई, पति, पत्नी और दोस्त बनना चाहिए। वहीं, महाभारत परिवारों की असली तस्वीर दिखाती है। इसमें सबसे बहादुर योद्धा और सबसे बुद्धिमान लोग भी गलतियां करते हैं। यह हमें सिखाती है कि अपना धर्म और कर्तव्य वफादारी से ऊपर रखना चाहिए। ममदानी ने बताया कि वह बचपन से परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर



के तौर पर पूरे शहर के लोगों के साथ यह त्योहार मनाना उनके लिए सम्मान की बात है। 35 साल के ममदानी की मां मीरा नायर पंजाबी हिंदू परिवार से आती हैं। गुरुद्वारे की दीवारों पर नफरत भरी बातें लिखीं: 27 दिसंबर 2025 को न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में बाबा माखन शाह लुबाना सिख सेंटर की दीवारों पर अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं। इस सेंटर में गुरुद्वारा भी है। पुलिस मामले की संभावित हेट क्राइम के तौर पर जांच कर रही है। वायोमिंग में सिख ट्रक ड्राइवर पर चाकू से हमला: सितंबर 2026 में अमेरिका के वायोमिंग में एक सिख ट्रक ड्राइवर पर चाकू से हमला किया गया। हमलावर ने रेस्ट एरिया के टॉयलेट में पीछे से उस पर वार किए। उसकी गर्दन और सीने पर चोटें आईं। पुलिस ने एंड्रयू क्रिस बजडैक को गिरफ्तार किया। हालांकि, पुलिस ने कहा कि हमले के पीछे की वजह साफ नहीं है। इस घटना से अमेरिकी सिख समुदाय में डर बढ़ गया। सांसदों ने सितंबर 2026 की एक स्टडी का हवाला दिया। इसके मुताबिक, जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दक्षिण एशियाई लोगों के खिलाफ नफरत फैलाने वाली 5 लाख 42 हजार से ज्यादा पोस्ट मिलीं। स्टडी के मुताबिक, 2025 के बाद हर चार में से एक भारतीय-अमेरिकी को नस्लभेदी गालियां सुननी पड़ी हैं। वहीं, हर पांच में से एक भारतीय-अमेरिकी ने सार्वजनिक जगहों पर भारतीय कपड़े पहनने से परहेज किया।

ट्रम्प के असैसिनेशन की साजिश- पाकिस्तानी को 27 साल जेल,ईरान के लिए काम कर रहा था,अंडरकवर एफ.बी.आई एजेंट्स को हत्यारा समझकर सुपारी दी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश रचने के मामले में



पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। वह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आई.आर.जी.सी) के लिए काम कर रहा था। अमेरिकी जांच के मुताबिक, उसे ट्रम्प की हत्या कराने के लिए अमेरिका भेजा गया था। 48 साल के आसिफ को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी साजिश और सुपारी देकर हत्या कराने की कोशिश का दोषी पाया। जज एरिक आर. कोमिटो ने उसे सजा सुनाई। आसिफ की हिटलिस्ट में ट्रम्प समेत 3 नेता थे। इनमे से एक नेता की हत्या करने के बदले उसने हत्यारों को 5 हजार डॉलर (करीब 4.4 लाख रुपए) एडवांस दिए थे। हालांकि, जिन लोगों को वह हत्यारे समझ रहा था, वे एफ.बी.आई के अंडरकवर एजेंट थे।अमेरिकी जांच के मुताबिक, आसिफ ईरान की आई.आर.जी.सी के लिए काम कर रहा था। उसे अमेरिका में ट्रम्प की हत्या की साजिश को अंजाम देने की जिम्मेदारी दी गई थी। आसिफ ने पूछताछ और साजिश के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली के नाम भी संभावित निशाने के तौर पर बताए थे। उस समय ये दोनों भी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल थे। हालांकि, साजिश का मुख्य निशाना ट्रम्प थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस साजिश के पीछे ईरान के पूर्व आई.आर.जी.सी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने की मंशा थी। सुलेमानी जनवरी 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। ईरान उनकी मौत के लिए अमेरिका को जिम्मेदार मानता है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, आसिफ करीब 2022 में आई.आर.जी.सी के संपर्क में आया था। धार्मिक यात्रा के लिए ईरान जाने के दौरान उसकी मुलाकात संगठन के एक हैंडलर यूसुफ मेरहरदाद से कराई गई। इसके बाद करीब डेढ़ साल में दोनों तेहरान में 15 बार मिले। इन मुलाकातों में आसिफ को खुफिया जानकारी जुटाने और पकड़े जाने से बचने के तरीके सिखाए गए। उसे अमेरिका जाकर नेताओं की हत्या के लिए



लोगों को तैयार करने का निर्देश दिया गया। आसिफ को खास तौर पर अपराधियों और माफिया से जुड़े लोगों को हत्या के लिए भर्ती करने को कहा गया था। उसे राजनीतिक रैली के दौरान ट्रम्प की हत्या कराने की योजना बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार,बोला- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा

कैलिफोर्निया। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने



इस्तीफे के बाद मंगलवार को पहली बार एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा:- 'अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा।' हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है। इस्तीफे के 4 दिन बाद जेन्सन का ये बयान क्यों अहम है:- 1. हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है। 2. गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दीः उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया। 3. अमेरिका कार्ड खेलाः बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं। 4. परिवार से माफीः आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा।' हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोगः- जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है या नहीं।

अमेरिकी के खुफिया एजेंसी एनएसए का सीक्रेट नेटवर्क हुआ ठप,रूबियो बोले- साइबर अटैक का कोई सबूत नहीं,एपल की कई सर्विस बंद

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में पिछले कुछ दिनों से सरकारी



एजेंसियों, बैंकों, टेक कंपनियों और एयरलाइंस के सिस्टम में लगातार गड़बड़ियां हो रही हैं। मंगलवार को अमेरिकी खुफिया एजेंसी नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी (एनएसए) का सीक्रेट कम्युनिकेशन नेटवर्क भी ठप हो गया। इसी दिन एपल की कई सेवाएं भी बंद हो गईं। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट, बैंकिंग सेवाओं, विमान यातायात नियंत्रण और यूनाइटेड एयरलाइंस के सिस्टम में भी खराबी आ चुकी है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इस बारे में कहा है कि ये सभी गड़बड़ियां अलग-अलग तकनीकी कारणों से हुई हैं। अब तक किसी साइबर अटैक या विदेशी साजिश के सबूत नहीं मिले हैं। एनएसएनेट अमेरिकी खुफिया एजेंसी एनएसए का अंदरूनी नेटवर्क है। इसका इस्तेमाल एजेंसी के कर्मचारी गोपनीय जानकारी भेजने और आपस में कम्युनिकेशन करने के लिए करते हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को यह नेटवर्क ठप होने के बाद एजेंसी को कर्मचारियों के आने का समय अलग-अलग करना पड़ा। इसके लिए येलो कोड जारी किया गया। शुरुआत में नेटवर्क बंद होने की वजह साफ नहीं थी। बाद में अधिकारियों ने बताया कि नियमित रखरखाव और सॉफ्टवेयर में बदलाव के दौरान गड़बड़ी हुई थी। इससे एजेंसी के कुछ अंदरूनी सिस्टम प्रभावित हुए, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े जरूरी काम चालू रहे। एनएसए ने कहा कि इस खराबी से देश की सुरक्षा करने की उसकी क्षमता पर असर नहीं पड़ा। एपल के सिस्टम में अंदरूनी अपडेट के दौरान गड़बड़ी हुई। इससे एपल म्यूजिक, ऐप स्टोर और एपलकेयर काम नहीं कर रहे थे। आईक्लाउड में लॉगिन करने में भी परेशानी आई। एपल पे को लेकर भी यूजर्स ने शिकायतें कीं। कंपनी ने कई सेवाएं बहाल कर दी थीं और बाकी को ठीक करने का काम चल रहा था। होटल कंपनी मैरियट के सिस्टम में खराबी के कारण ग्राहकों को बुकिंग और चेक-इन में परेशानी हुई। मैरियट के दुनियाभर में करीब 10,200 होटल और 18 लाख से ज्यादा कमरे हैं। कंपनी ने इस मामले में सवालों का जवाब नहीं दिया। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं भी दुनियाभर में प्रभावित हुई थीं। आउटलुक पर ईमेल भेजने, टीम्स पर मीटिंग करने और कोपायलट इस्तेमाल करने में परेशानी आई।

शेख हसीना के गृहनगर गोपालगंज में लगातार तीसरे दिन हिंसा,बीएनपी,ढाका में बसें जलाईं,1 की मौत,सांसद का घर फूंका

ढाका। बांग्लादेश में मंगलवार शाम एक बार फिर राजनीतिक हिंसा भड़क गई। बैन हो चुकी अवामी लीग और उसकी छात्र शाखा प्रतिबंधित छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने शेख हसीना के गृह जिले टुंगीपाड़ा, गोपालगंज में पुलिस थाने पर हमला कर दिया। कई गाड़ियों में आग लगा दी। हमलावरों ने थाने पर हमला करके हिरासत में बंद कार्यकर्ताओं को छुड़ा लिया। हिंसा सिर्फ थाने तक नहीं रुकी। बीएनपी सांसद के घर जला दिया गया, गाजीपुर में पूर्व मंत्री एकेएम मोज्म्मेल हक के घर में आग लगाई गई। ढाका में भी कई बसें फूंकी गईं और दो जगहों पर देसी बम फटे। हिंसा के बाद से गोपालगंज में अतिरिक्त पुलिस और सेना तैनात की गई है। टुंगीपाड़ा में इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क में दिक्कत की खबरें हैं। इसी हिंसा के बीच फरीदपुर में बीएनपी के एक नेता की हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों की पहचान वीडियो से की जा रही है। थाने के बाद हिंसा गोपालगंज-3 (टुंगीपाड़ा-कोटालीपाड़ा) से बीएनपी सांसद एसएम जिलानी के घर तक पहुंच गई। उनका घर थाने से करीब 1.5 किलोमीटर दूर है। चश्मदीदों और बीएनपी सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों ने पहले थाने पर हमला किया, फिर सांसद के घर की तरफ बढ़े। उन्होंने घर में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। फेसबुक पर वायरल वीडियो में घर के अलग-अलग हिस्सों में आग लगी दिख रही है। डंडे लिए युवक सामान तोड़ते दिख रहे हैं और 'जय बांग्ला' के नारे लगा रहे हैं। एक शख्स को कहते सुना गया- 'जिलानी का घर खत्म हो गया।' जिलानी से संपर्क की कई कोशिशें नाकाम रहीं। रात 10 बजे के बाद गोपालगंज जिला बीएनपी के संयोजक शरीफ रफीकुज्जमान ने कहा- उन्हें कई स्रोतों से सांसद के घर में आग लगाने की खबर मिली है। गाजीपुर में पूर्व मंत्री एकेम मोज्म्मेल हक के पुराने घर में भी आग लगा दी गई। ये घर गाजीपुर सदर के काशिमपुर इलाके में है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते दिन शाम करीब 7:30 बजे 15-20 लोगों का एक समूह घर के पास पहुंचा, दरवाजा तोड़ा और अंदर आग लगा दी। आग बुझाने के लिए फायर सर्विस की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। यह हिंसा अचानक नहीं हुई है। पिछले कुछ हफ्तों से बांग्लादेश में तनाव बढ़ रहा था। 1. शेख हसीना को सजाः बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने पूर्व पीएम शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। इसके बाद से अवामी लीग समर्थकों में गुस्सा है। 2. अवामी लीग पर बैनः हसीना सरकार गिरने के बाद अंतरिम सरकार ने अवामी लीग और छात्र लीग पर बैन लगा दिया है। लेकिन उनके कार्यकर्ता अब भी जमीन पर सक्रिय हैं।

ट्रम्प को रिसीव पहली बार प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पहुंचे जिनपिंग,पुतिन के साथ दोनों नेताओं की आज मीटिंग

शेनझेन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन पहुंच गए हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे।



जिनपिंग पहली बार किसी विदेशी नेता को रिसीव करने एयरपोर्ट गए। आमतौर पर इस तरह के स्वागत की जिम्मेदारी दूसरे अधिकारी निभाते हैं। ट्रम्प चीन में एपीईसी समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी जिनपिंग के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठक भी होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, टैरिफ, चीन की ओर से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद और रेयर अर्थ की सप्लाई जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। इसके अलावा, ट्रम्प की कल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ त्रिपक्षीय बैठक भी होनी है। इस बैठक में ईरान जंग, परमाणु हथियारों के इस्तेमाल जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पत्रकारों को बताया कि वे आज शेनझेन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार विवाद पर चर्चा होगी। दरअसल, ट्रम्प प्रशासन की ओर से कनाडा के उत्पादों पर लगाए गए भारी टैरिफ से दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव आया है। कार्नी सरकार लगातार इन शुल्कों को कम कराने और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता अगस्त में ठप हो गई थी। हालांकि, हाल के दिनों में बातचीत फिर शुरू हुई है। अमेरिका कनाडा का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से काफी जुड़ी हुई हैं। ऐसे में अमेरिकी टैरिफ का असर कनाडा के उद्योगों और कारोबार पर पड़ रहा है। चीन के शेनझेन शहर में ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग की मीटिंग होनी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जब टॉप-3 देशों के नेता एकसाथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे। 1970 के दशक तक शेनझेन मछुआरों का एक गांव था। 1979 में इसे शहर बनाया गया था। अगस्त 1980 में चीन का पहला स्पेशल इकोनॉमिक जोन घोषित हुआ। इसके बाद यहां उद्योग और कारोबार बढ़ा। आज शेनझेन ऊंची इमारतों और बड़ी कंपनियों वाला आधुनिक शहर बन चुका है। इसका विकास इतनी तेजी से हुआ कि यह अपने पड़ोसी हांगकांग से भी बड़ा शहर बन गया। आज यह दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स हब है। 1992 में चीन के तत्कालीन राष्ट्रपति देग शियाओपिंग ने शेनझेन का दो दिन का दौरा किया था। इस दौरे को चीन के इतिहास में 'सदर्न टूर' यानी दक्षिणी दौरे के नाम से जाना जाता है। 1978 में देंग ने चीन में आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। इसके तहत निजी कारोबार को बढ़ावा दिया गया और विदेशी कंपनियों के लिए चीन में निवेश के रास्ते खोले गए। मकसद था कि चीन की अर्थव्यवस्था सिर्फ सरकारी नियंत्रण में न रहे, बल्कि बाजार और कारोबार को भी आगे बढ़ने का मौका मिले। लेकिन 1989 में तियानमेन चौक पर हुए आंदोलन और सरकार की कार्रवाई के बाद इन सुधारों की रफ्तार धीमी पड़ गई। कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर भी बाजार को ज्यादा आजादी देने का विरोध होने लगा। ऐसे में देंग ने शेनझेन पहुंचकर साफ संदेश दिया कि चीन को आर्थिक सुधारों के रास्ते से पीछे नहीं हटना चाहिए। विदेशी निवेश और कारोबार को बढ़ावा देने की नीति जारी रहनी चाहिए। उनके इस दौरे के बाद चीन में आर्थिक सुधारों ने फिर रफ्तार पकड़ी।

चीन की ताकत दिखाने जिनपिंग ने शेनझेन शहर चुना,मछुआरों के गांव से दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स हब का सफर

शेनझेन। चीन के शेनझेन शहर में ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग की मीटिंग होनी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जब टॉप-



3 देशों के नेता एकसाथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे। 1970 के दशक तक शेनझेन मछुआरों का एक गांव था। 1979 में इसे शहर बनाया गया था। अगस्त 1980 में चीन का पहला स्पेशल इकोनॉमिक जोन घोषित हुआ। इसके बाद यहां उद्योग और कारोबार बढ़ा। आज शेनझेन ऊंची इमारतों और बड़ी कंपनियों वाला आधुनिक शहर बन चुका है। इसका विकास इतनी तेजी से हुआ कि यह अपने पड़ोसी हांगकांग से भी बड़ा शहर बन गया। आज यह दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स हब है। 1992 में चीन के तत्कालीन राष्ट्रपति देग शियाओपिंग ने शेनझेन

अवैध प्लाटिंग निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को जोनल



अधिकारी सूरज कुमार पटेल के नेतृत्व में जोन-4 (नैनी) क्षेत्र के अन्तर्गत अवैध प्लाटिंग / निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। जिसका विवरण निम्नवत् हैः- 1.विजेंद्र सिंह व अन्य द्वारा स्थल आराजी सं0-237, 238, 239 व 242 मौजा देवरख उपरहार, अरैल रोड, नैनी, प्रयागराज पर लगभग 2.5 बीघे के क्षेत्रफल में किये गये अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। 2 प्रकाश तिवारी द्वारा स्थल मौजा देवरख उपरहार, अरैल रोड, नैनी, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। 3. श्रीमती सूरज कुमारी पत्नी श्री राजेन्द्र द्वारा स्थल मौजा देवरख उपरहार, अरैल रोड, नैनी, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। 4. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री आदित्य प्रसाद द्वारा स्थल मौजा देवरख उपरहार, अरैल रोड, नैनी, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। 5. श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री आत्मा प्रसाद द्वारा स्थल मौजा देवरख उपरहार, अरैल रोड, नैनी, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। प्राधिकरण द्वारा लगातार अवैध निर्माण/ अवैध प्लाटिंग के विकासकर्ताओं के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। तत्क्रम में निर्माणकर्ताओं / विकासकर्ताओं को निर्देशित किया जाता है कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण क्षेत्र के अन्तर्गत तलपट मानचित्र स्वीकृत कराकर ही विकास कार्य कराया जाय एवं इसके साथ आम जनमानस को सूचित किया जाता है कि किसी भी अवैध प्लाटिंग, बाढ़ क्षेत्र व (एच.एफ.एल) में भूखण्डों का क्रय विक्रय न करें। उपरोक्त कार्यवाही में जोनल अधिकारी के अतिरिक्त भवन निरीक्षक श्री कुवर आनन्द सिंह, सुपरवाईजर, एवं पी0डी0ए0 प्रवर्तन टीम की उपस्थिति में कार्यवाही सम्पादित करायी गयी। जोनल अधिकारी प्रयागराज विकास प्राधिकरण प्रयागराज।

संगठन में ही शक्ति है, व्यापार राष्ट्र का आधार,कोरांव में विशाल व्यापारी सम्मेलन का आयोजन

हजारों व्यापारियों ने एकजुटता का भरा हुंकार, गणेश केसरवानी बोले- संगठित रहकर ही मिलेगा व्यापारियों को अधिकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/कोरांव। मंगलवार को



कोरांव स्थित लक्ष्मी गार्डन में राष्ट्रीय उद्योग व्यापार सम्मेलन एवं प्रयागराज व्यापार मंडल के तत्वावधान में विशाल व्यापारी समागम का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रयागराज, मिर्जापुर सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में व्यापारी एवं व्यापारी नेताओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर व्यापारियों ने एक स्वर में एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि अब अलगाव नहीं, बल्कि संगठन ही व्यापारियों की सबसे बड़ी ताकत होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि व्यापारी जब एकजुट रहेंगे, तभी उन्हें उनका अधिकार और सम्मान मिलेगा। सभी व्यापारियों को आपसी मतभेद भुलाकर संगठित रहना चाहिए। संगठन की मजबूती ही व्यापारियों की वास्तविक शक्ति है। प्रदेश अध्यक्ष सुशांत कुमार केसरवानी, प्रदेश संयोजक मनीष गुप्ता एवं कोरांव नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी के नेतृत्व एवं अगुवाई में विशाल व्यापारी सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए कोरांव नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी को प्रयागराज व्यापार मंडल, यमुनापार का जिलाध्यक्ष, एडवोकेट वंश केसरवानी को यमुनापार युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष तथा डॉ. कृष्णा केसरवानी को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नई जिम्मेदारियां मिलने पर उपस्थित व्यापारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सम्मेलन में प्रयागराज व्यापार मंडल के पदाधिकारियों संतोष गुप्ता, योगेंद्र केसरवानी, सुनीता चोपड़ा, जूही श्रीवास्तव, अखिलेश मिश्रा, अखिलेश केसरवानी, सूरज केसरवानी, अरविंद केसरवानी, अमित गुप्ता, अनूप केसरी, बबलू केसरी, कौशलेंद्र गुप्ता, तारकेश्वर केसरी एवं आनंद केसरी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। सम्मेलन ने व्यापारियों को एक मंच पर लाकर संगठन की एकजुटता, आपसी सहयोग और व्यापारिक हितों की रक्षा का मजबूत संदेश दिया।



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी स्टेशन रोड जेल के पीछे रोड पर कार ने खडी हुई बाईक पर जोर दार मारी टक्कर कार तेज रफ्तार के कारण धुमकर दिशा बदली और खड़ी बाईक टक्कर से कुछ दूर पर जा गिरी कार ड्राइवर को नजदीकी अस्पताल में इलाज हेतु स्थानीय लोगों ने पहुंचाया।

धूमधाम से मनाया गया श्री राणी सती दादी का जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री राणी सती दादी मंदिर में बुधवार को श्री राणी सती दादी का जन्मोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस धार्मिक आयोजन का संयोजन रुचि सांवरिया जी की ओर से किया गया। जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर दादी जी का गुणगान किया और अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूरे आयोजन के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष एडवोकेट अनीता थरड, कोषाध्यक्ष मीरा जालान एवं सचिव पूनम खेतान ने बताया कि श्री राणी सती दादी का जन्मोत्सव प्रत्येक वर्ष पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य भक्तों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक रूप से जोड़ना है। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच शृंगार सामग्री एवं प्रसाद का वितरण किया गया।

इस अवसर पर सुनीता सांवरिया, अनीता कनोडिया, ममता जालान, योगेश्वरी चौधरी, एकता केजड़ीवाल, रिंकी जालान, रितु जालान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



डीआरएम कार्यालय में रेलवे पेंशन भोगियों के डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र का लगा शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के



मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के बहुउद्देशीय हॉल में रेलवे पेंशन भोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कार्मिक एवं लेखा विभाग के कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन जीवन प्रमाण (Online Jeevan Pramaan) एप्लीकेशन के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनाने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान कुल 12 पेंशन भोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने में सहायता प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य रेलवे पेंशनभोगियों को डिजिटल सुविधा के प्रति जागरूक करना तथा जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की प्रक्रिया को सरल एवं सुविधाजनक बनाना है। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की मां का निधन

प्रयागराज। यूपी में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की मां विमला



देवी का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 85 साल थी। लंबे समय से बीमार चल रही थीं। प्रयागराज के नाजरेथ हॉस्पिटल में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसकी जानकारी खुद मंत्री ने सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि आज मां की छाया सिर से दूर हो गई। पिता जी के जाने के बाद मां ने ही परिवार को संभाला था। उनका प्यार और आशीर्वाद हर कठिनाई से लड़ने का संबल था। उनकी मौजूदगी ईश्वर की मौजूदगी जैसी थी। वह मुख्य रूप से सांस संबंधी बीमारी से परेशान थीं। पिछले एक हफ्ते से अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। बीते एक साल में भी उन्हें दो-तीन बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। मां के निधन के समय मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी लखनऊ में थे। निधन की सूचना मिलने के बाद वह प्रयागराज पहुंचे। यहां मां के शव को देखकर वह रो पड़े। नंद गोपाल नंदी दो भाई और एक बहन हैं। उनके छोटे भाई का नाम कृष्ण गोपाल गुप्ता और बहन अन्नपूर्णा केसरवानी हैं। केशव प्रसाद मौर्य मंत्री नंद गोपाल नंदी के घर पहुंचे। माता के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मंत्री सांत्वना दी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ब्रजेश पाठक ने एक्स पर पोस्ट कर दुख जताया।

जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला सेवायोजन



कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद स्तरीय एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला दिनांक 18.11.2026 को प्रातः 10:00 बजे से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, (डायट) ग्राउण्ड परिसर, उरमौरा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में आयोजित किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की 50 से अधिक कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें मुख्यतः हिन्डालकों इंडस्ट्रीज (विजन इण्डिया), फिएट इण्डिया आटोमोबाइल, टाटा मोटर्स (क्रास कार्प), आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक (एन0आई0 आई0टी0), एल एण्ड टी (सर्विस केयर), उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम (रोडवेज) सोनभद्र, डिक्सन टेक्नोलॉजीस इण्डिया प्रा0लि0, फ्लीपकार्ट, ब्लिंकिट, सीपेट वाराणसी, इत्यादि रही। इस मेले में लगभग 2500 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा 1031 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर किया गया। मुख्य अतिथि श्री भूपेश चौबे मा0 विधायक, सदर द्वारा रोजगार मेले का उद्घाटन किया गया, इस अवसर पर मा0 राज्य मंत्री जी के प्रतिनिधि, जनपद के अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि के अलावा उप निदेशक (सेवा0), श्री रविशेखर आनन्द, सहायक निदेशक (सेवा0), श्री अशोक कुमार प्रजापति, राजकीय आई0टी0आई0, राबर्ट्सगंज तथा जिला सेवायोजन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीआरएम गौरव अग्रवाल ने कर्मचारी हित निधि से बांटी आर्थिक सहायता,लखनऊ-गोरखपुर में अब तक 113 महिला रेलकर्मी हुईं लाभान्वित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मंगलवार को पूर्वोत्तर



रेलवे के लखनऊ मंडल में कर्मचारी कल्याण और महिला सशक्तिकरण को लेकर रेल प्रशासन की पहल लगातार जारी है। इसी कड़ी में गोरखपुर स्थित रेलवे ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कर्मचारी हित निधि के तहत रेलकर्मियों के आश्रित बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की। साथ ही महिला रेलकर्मियों को उपहार स्वरूप थर्मल बोतल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में गोरखपुर क्षेत्र के चार पात्र रेलकर्मियों के आश्रित बच्चों को तकनीकी शिक्षा के लिए 18-18 हजार रुपये की दर से कुल 72 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस आर्थिक सहायता से बच्चों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी। वहीं, महिला सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत ग्रुप-डी और रनिंग कैटेगरी में कार्यरत 56 महिला रेलकर्मियों को थर्मल बोतल भेंट की गई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले लखनऊ में भी 57 महिला रेलकर्मियों को यह उपहार दिया जा चुका है। इस प्रकार लखनऊ और गोरखपुर क्षेत्र को मिलाकर अब तक 113 महिला रेलकर्मी योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआरएम गौरव अग्रवाल ने छात्रवृत्ति पाने वाले बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रेल प्रशासन कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कर्मचारियों के आश्रित बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ ही महिला रेलकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने महिला कर्मचारियों की कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं के समाधान तथा कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा भी दिलाया। डीआरएम ने कहा कि महिला कर्मचारियों की सुविधाओं और सम्मान को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। इस दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, मान्यता प्राप्त रेल कर्मचारी संगठन एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के अध्यक्ष सुभाष दुबे, उपाध्यक्ष शिवेंद्र पांडेय समेत यूनियन एवं एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल महिला रेलकर्मियों ने उनके हित में उठाए जा रहे कदमों की सराहना करते हुए रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया। कर्मचारी हित निधि से दी गई छात्रवृत्ति और महिला कर्मचारियों को उपहार वितरण की यह पहल रेलकर्मियों के परिवारों को आर्थिक एवं शैक्षिक सहयोग देने के साथ ही कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के सम्मान और सुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने दी।



त्योहारों के बाद बिहार से लौटने वालों की भीड़ को लेकर रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की सुविधाएं

रेलमंत्री खुद संभाल रहे कमान,पटना से दरभंगा दानापुर तक भीड़ प्रबंधन की हो रही निगरानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली/लखनऊ। बिहार में त्योहारों का समापन होने के बाद दूसरे राज्यों की ओर लौटने वाले



यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक सफर उपलब्ध कराने के लिए प्रमुख रेलवे जोनों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर भीड़ नियंत्रण से लेकर अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तक व्यापक स्तर पर कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं, रेल मंत्री स्वयं पूरे रेल नेटवर्क की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और ट्रेनों के परिचालन से लेकर स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही तक की वास्तविक समय में समीक्षा कर रहे हैं। रेल मंत्री ने बिहार के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पटना, मुजफ्फरपुर, राजेंद्र नगर, दरभंगा और दानापुर में भीड़ प्रबंधन तथा यात्री सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की है। इन स्टेशनों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के तहत पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे ने समन्वित कार्ययोजना के साथ परिचालन व्यवस्था को मजबूत किया है। यात्रियों की संख्या और मांग के अनुसार विशेष अनारक्षित एवं आरक्षित ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म में प्रवेश को नियंत्रित करने और ट्रेनों के समयपालन को बेहतर बनाए रखने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। भीड़ को प्लेटफॉर्म पर एकत्र होने से रोकने के लिए प्रमुख और अधिक व्यस्त स्टेशनों पर बड़े होल्डिंग एरिया तैयार किए गए हैं। यहां यात्रियों के बैठने, पेयजल, स्वच्छता, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और ट्रेनों के प्रस्थान की जानकारी देने वाले संकेतकों की व्यवस्था की गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर जाने से पहले व्यवस्थित तरीके से प्रतीक्षा कराना और भगदड़ जैसी स्थिति की आशंका को कम करना है। बिहार से पश्चिमी औद्योगिक क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए गुजरात के उधना रेलवे स्टेशन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। यहां यात्रियों की सुरक्षित निकासी, व्यवस्थित चढ़ने-उतरने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए फुट ओवरब्रिज, प्रवेश एवं निकास द्वारों और स्टेशन परिसर में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) तथा राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही वाणिज्यिक कर्मचारियों और चिकित्सा टीमों को भी चौबीसों घंटे मुस्तैद रखा गया है, ताकि वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता मिल सके। रेलवे प्रशासन का कहना है कि त्योहारों के बाद यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाया गया है। यात्रियों की वास्तविक संख्या और परिचालन की स्थिति के अनुसार व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है। भारतीय रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर तैनात कर्मचारियों का सहयोग करें, अनावश्यक भीड़ न लगाएं और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। रेलवे का लक्ष्य है कि त्योहारों के बाद घर लौट रहे यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराई जा सके। इस आशय की जानकारी मण्डल रेल प्रबंधक लखनऊ के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।



बॉलीवुड अभिनेत्री महिमा चौधरी के हाथों सम्मानित हुईं प्रसिद्ध समाजसेविका भारती नेगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहीं प्रसिद्ध समाजसेविका एवं ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) की संस्थापिका व अध्यक्ष भारती नेगी को एक भव्य सम्मान समारोह में बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री महिमा चौधरी के हाथों सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह पश्चिमी विहार स्थित मेपल गोल्ड, रेडिसन ब्लू होटल के पास आयोजित किया गया। भारती नेगी लंबे समय से समाज के गरीब बच्चों, असहाय लोगों और महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इसके साथ ही वह वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की दिशा में भी सराहनीय योगदान दे रही हैं। समाज सेवा के साथ-साथ भारती नेगी एक बेहतरीन कलाकार भी हैं।



उनके सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद भारती नेगी ने इस उपलब्धि को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और सेवा भावना का सम्मान बताया।

उनके सम्मानित होने पर परिवारजनों, शुभचिंतकों एवं परिचितों में हर्ष और उल्लास का माहौल है। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धान खरीद, खाद वितरण एवं किसानों की अन्य समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा, अनियमितता मिलने पर संबंधित के विरुद्ध होगी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुल्तानपुर। जिलाधिकारी इन्द्रजीत सिंह की अध्यक्षता व अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) की उपस्थिति में किसानों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण तथा शासन की कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान किसानों ने मुख्य रूप से धान खरीद, खाद की उपलब्धता एवं वितरण, धान खरीद केंद्रों पर नमी के मानक, राजस्व एवं विद्युत विभाग से संबंधित समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में डीएपी, यूरिया, एनपीके सहित सभी प्रकार की उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। खाद वितरण में आ रही समस्याओं के संबंध में किसानों द्वारा बताए गए केंद्रों की जांच के लिए तत्काल पांच सदस्यीय टीम गठित की गई है। उक्त टीम संबंधित केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था की जांच करेगी तथा अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। धान खरीद के संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। धान खरीद में नमी के मानकों को लेकर प्राप्त शिकायतों की जांच कराई जा रही है। साथ ही, धान खरीद केंद्रों की संख्या में वृद्धि के लिए तीन अतिरिक्त केंद्रों का प्रस्ताव भी संबंधित स्तर पर संस्तुति सहित भेजा गया है, ताकि किसानों को धान विक्रय में सुविधा मिल सके। क्रय केन्द्रों पर लोड की समस्या को लेकर जिलाधिकारी महोदय ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करते हुये उसे कल तक ठीक करायें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीद में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान करने की शिकायत सत्य पाए जाने पर संबंधित क्रय केंद्र प्रभारी अथवा समिति के विरुद्ध तत्काल आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा उठाए गए राजस्व विभाग से संबंधित धारा-24 के प्रकरणों को भी संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी महोदय ने निर्देशित किया कि धारा-24 के प्रकरणों की माह में एक बार मॉनिटरिंग अवश्य की जाये। चेयर मैन चीनी मिल द्वारा चीनी मील पर तौल आदि की समस्या के संबंध में मुद्दा उठाया तो जिलाधिकारी महोदय ने निर्देशित किया कि चीनी मिल के अधिकारी व जिला गन्ना अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण का समस्या का समाधान किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होनें निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारी किसानों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त कृषक बन्धुओं से अपील की कि वे अपने खेतों पराली न जलाए।



उन्होंने कहा कि वे स्वयं अपनी स्व-गणना अवश्य करें। उन्होंने कहा कि जनगणना देश एवं समाज के विकास की योजनाओं, नीतियों तथा संसाधनों के उचित नियोजन का महत्वपूर्ण आधार है।

जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक बंधु उपस्थित रहे।

लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए की निर्णायक पहल, अनुपस्थित बीएलओ और लंबित वोटर कार्ड के मुद्दे पर जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत एक जागरूक और सशक्त मतदाता होता है। इसी जनहितैषी सोच के साथ सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेधा रूपम (आई.ए.एस.) को एक विस्तृत पत्र सौंपकर सेक्टर के हजारों निवासियों को मतदाता संबंधी कार्यों में हो रही गंभीर बाधाओं के त्वरित निवारण की पुरजोर मांग की है। ?दिव्य कृष्णात्रेय ने अवगत कराया कि सेक्टर 105 की भाग संख्या 766 में बीएलओ श्रीमती भारती सिंह अत्यंत निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं, परंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सेक्टर की शेष सभी भाग संख्याओं-जहाँ सेक्टर के बहुसंख्यक निवासियों के वोट दर्ज हैं-के बीएलओ लंबे समय से लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं। प्रशासन द्वारा इन रिक्त स्थानों पर किसी वैकल्पिक बीएलओ की नियुक्ति न किए जाने से सेक्टर में एक गंभीर प्रशासनिक शून्यता उत्पन्न हो गई है। इस अव्यवस्था के चलते हजारों नागरिक नए मतदाता पहचान पत्र बनवाने, अपने विवरण में आवश्यक संशोधन कराने और मतदाता सूची से जुड़े अनिवार्य कार्यों को पूरा कराने के लिए भटकने को विवश हैं। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि महीनों पूर्व विधिवत आवेदन करने के बावजूद अनेक निवासियों को आज तक उनके वोटर कार्ड (ई-



पिक) प्राप्त नहीं हो सके हैं, जिससे आम नागरिकों और विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों में गहरा रोष व निराशा व्याप्त है। समस्या के एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा कि निर्वाचन विभाग और आरडब्ल्यूए के बीच संवादहीनता के कारण स्थिति और भी जटिल हो गई है। जब भी कोई बीएलओ सेक्टर में अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन हेतु आते हैं, तो उनके आगमन की तिथि, समय और निर्धारित स्थान की कोई भी पूर्व सूचना आरडब्ल्यूए को नहीं दी जाती है। सूचना के इस अभाव में आरडब्ल्यूए समय रहते निवासियों को सूचित नहीं कर पाती, जिसका सीधा खामियाजा कामकाजी लोगों और बुजुर्गों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन बीएलओ के सेक्टर भ्रमण का कार्यक्रम अग्रिम रूप से आरडब्ल्यूए को उपलब्ध करा दे, तो आरडब्ल्यूए अपने संचार माध्यमों से मिनटों में यह जानकारी प्रत्येक घर तक पहुँचा सकती है। इससे न केवल नागरिकों को अनावश्यक भटकाव से मुक्ति मिलेगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में भी अभूतपूर्व गति और पारदर्शिता आएगी।दिव्य कृष्णात्रेय ने जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम के संवेदनशील, त्वरित और जनोन्मुखी नेतृत्व पर गहरा विश्वास जताते हुए अपेक्षा की है कि जनहित और लोकतांत्रिक सहभागिता को सर्वोपरि रखते हुए वे तत्काल सेक्टर 105 की शेष सभी भाग संख्याओं के लिए सक्रिय एवं वैकल्पिक बीएलओ की नियुक्ति करेंगी।

साथ ही, वे महीनों से लंबित पड़े वोटर कार्डों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित कराएंगी और भविष्य में बीएलओ के सेक्टर भ्रमण की पूर्व सूचना आरडब्ल्यूए को अनिवार्य रूप से दिए जाने की व्यवस्था लागू करेंगी।

सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए की यह पहल इस विश्वास को पुष्ट करती है कि प्रशासन और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय से ही एक सुदृढ़ और सहभागी लोकतंत्र का निर्माण संभव है।

किसान दिवस में किसानों का फूटा गुस्सा,डीएम ने कहा - धान खरीद में गड़बड़ी पर होगी क्रिमिनल कार्रवाइ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुल्तानपुर। विकास भवन प्रेरणा सभागार में बुधवार को आयोजित किसान दिवस में किसानों ने धान खरीद और खाद वितरण को लेकर जमकर अपनी बात रखी। अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने किसानों की एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुना और मौके पर ही अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में किसानों ने आरोप लगाया कि क्रय केंद्रों पर नमी (मॉइस्चर) के नाम पर धान लेने से मना किया जा रहा है। किसानों को बिचौलियों के जरिए प्राइवेट राइस मिलों पर भेजा जा रहा है,जहां उन्हें सरकारी रेट से काफी कम दाम मिल रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने साफ कहा कि सुल्तानपुर में इस तरह की मनमानी बिल्कुल नहीं चलने दी जाएगी। इंद्रजीत सिंह, जिलाधिकारी सुल्तानपुर ने कहा कि 'देखिए, कोई भी ऐसी चीज यहां सुल्तानपुर में नहीं होने देंगे। अगर कोई समिति ऐसा करेगी तो उसके खिलाफ क्रिमिनल प्रोसीडिंग शुरू कर देंगे। अभी भी मैंने निर्देश दिया है कि अगर ऐसी कोई शिकायत सत्य पाई जाती है तो तुरंत प्रोसीडिंग करेंगे।' खाद को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में डीएपी, यूरिया, एनपीके सहित सभी खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। वितरण में जहां-जहां गड़बड़ी बताई गई है, वहां जांच के लिए 5 लोगों की टीम बनाई गई है जो कल तक मौके पर जाकर चेकिंग करेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि 'हमारे पास पर्याप्त खाद उपलब्ध है। डीएपी भी है, यूरिया भी है, एनपीके भी है। वितरण को लेकर जो इश्यू आए हैं, हमने तुरंत 5 लोगों की टीम बनाई है जो कल तक चेकिंग में जाएगी।' जिलाधिकारी ने बताया कि तीन अतिरिक्त धान क्रय केंद्र बनाने का प्रस्ताव कल ही अयोध्या कमिश्नर स्तर पर रिकमेंड कर दिया गया है। 31 अक्टूबर तक जिले के स्तर पर बनने वाले केंद्र बन चुके थे। बैठक में धारा 24, बिजली विभाग,तहसील स्तर के लंबित मामलों को भी उठाया गया। डीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि किसानों की समस्याओं को टॉप प्रायोरिटी पर हल किया जाए।



शिव मंदिर में 21 नवंबर को मनेगा श्री राम दरबार का नवां स्थापना दिवस,श्री सत्यनारायण कथा, हवन, संगीतमय सुंदरकांड और महाप्रसाद का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-7 के शिव मंदिर परिसर में 21 नवंबर, शनिवार को श्री राम दरबार का नवां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु सपरिवार शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए श्री राम भक्त एवं आरडब्ल्यूए शिव शक्ति अपार्टमेंट, सेक्टर-71 के महासचिव संजय शुक्ला (हरि ऊं प्रॉपर्टीज) ने बताया कि प्रत्येक



वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने की तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को प्रातः 10 बजे श्री सत्यनारायण भगवान की कथा एवं हवन होगा। दोपहर 3 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं शाम 6 बजे से महाप्रसाद वितरण प्रारंभ होगा, जो प्रभु इच्छा तक जारी रहेगा।

श्रीमती ममता शुक्ला ने सभी सम्मानित भक्तगणों से सपरिवार कार्यक्रम में पहुंचने और धार्मिक आयोजनों में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

शारदाकेयर हेल्थसिटी में 23 साल के आदमी में दुर्लभ हिरायामा बीमारी का हुआ सफल इलाज

बांहों में धीरे-धीरे बढ़ती कमजोरी, अग्रबाहु (Forearm) की मांसपेशियों का पतला होना और हाथों में कंपन होने के बाद रीढ़ की हड्डी से जुड़ी एक दुर्लभ बीमारी का पता चला। इसका इलाज बिना सर्जरी के दवाओं और थेरेपी से किया गया।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा शारदाकेयर हेल्थसिटी में एक 23 साल के आदमी का हिरायामा बीमारी का सफल इलाज किया गया है। हिरायामा एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है। यह बीमारी होने पर सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड प्रभावित होती है। मरीज़ रमेश को कई महीनों से दोनों हाथों में लगातार कमज़ोरी, बाएं हाथ का अगला हिस्सा पतला होना, दर्द, सुन्नपन और हाथ कांपने जैसी समस्या महसूस हो रही थी। न्यूरोलॉजिकल जांच और एडवांस्ड सर्वाइकल स्पाइन इमेजिंग से डायग्नोसिस में मदद मिली। इसके बाद उसका दवा, सर्वाइकल सपोर्ट और सुपरवाइज़्ड फिजियोथेरेपी से इलाज किया गया। हिरायामा बीमारी एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल समस्या है। यह आमतौर पर कम उम्र के लड़कों को किशोरावस्था और जवानी की शुरुआत में होती है, जिससे हाथ और कलाई के नीचे की मांसपेशियों में कमजोरी और सिकुड़न आ सकती है। पूरे देश में हुए एक सर्वे के अनुसार यह करीब 3,33,000 में से 1 व्यक्ति को होती है। 100,000 लोगों पर 5.54 मामलों का 10 साल का अलग आंकड़ा सामने आया है, यह बीमारी ज्यादातर एशियाई लोगों में पाई जाती है और पूरी दुनिया में काफी कम देखने को मिलती है। सर्वाइकल स्पाइन की जांच में सी से सी7 स्तर पर स्पाइनल कॉर्ड (रीढ़ की हड्डी) का पतला होना पाया गया। साथ ही नॉन-कम्प्रेसिव माइलोपैथी के संकेत मिले, जो हिरायामा बीमारी और एक्यूट सर्वाइकल ट्रांसवर्स माइलाइटिस जैसी स्थितियों से जुड़े हो सकते हैं। मरीज़ को नर्व की सूजन के इलाज के लिए दवा दी गई, गर्दन को ज़्यादा झुकने से बचाने के लिए सॉफ्ट सर्वाइकल कॉलर पहनाया गया, और देखरेख में फिजियोथेरेपी व कसरत कराई गई। वह 18 दिन तक अस्पताल में रहा, इस दौरान उसकी हालत ठीक रही और उसमें धीरे-धीरे सुधार हुआ। रमेश को एक रिहैबिलिटेशन प्लान के साथ डिस्चार्ज कर दिया गया और उनके हाथ और बांह की ताकत पर नज़र रखने के लिए न्यूरोलॉजिकल फॉलो-अप जारी रहेगा।शारदाकेयर हेल्थसिटी के न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर डॉयरेक्टर और प्रमुख डॉ आत्मप्रीत सिंह ने कहा, 'हिरायामा बीमारी एक सामान्य न्यूरोलॉजिकल समस्या नहीं है। इस बीमारी में शुरू में हाथ या बांह में धीरे-धीरे कमज़ोरी बढ़ सकती है। अगर समय पर इलाज न किया जाए, तो इससे



और न्यूरोलॉजिकल कमी हो सकती है, बांह के आकार में साफ़ बदलाव या किसी जवान व्यक्ति में हाथ कांपना न्यूरोलॉजिकल जांच की ज़रूरत होती है। इस मामले में बीमारी की समय पर पहचान होने से हमें मरीज़ का सावधानीपूर्वक इलाज करने में मदद मिली। हमारा मुख्य ध्यान उसकी रोज़मर्रा के काम करने की क्षमता में सुधार लाने और बीमारी को आगे बढ़ने से रोकने पर रहा।' अगर हिरायामा बीमारी का समय पर इलाज न किया जाए, तो इससे हाथों में लगातार कमजोरी, हाथों से काम करने में परेशानी और लंबे समय तक नसों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। यह मामला बताता है कि युवाओं में हाथों की बढ़ती कमजोरी, बांह की मांसपेशियों का पतला होना और हाथों में कंपन जैसे लक्षणों को सामान्य कमजोरी या हाथों के अधिक इस्तेमाल का नतीजा समझकर नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए।

आज मोतिगरपुर में सजेगी कवियों व शायरों की महफिल, गूंजेगा एकता का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुल्तानपुर। मोतिगरपुर चौराहा स्थित 19 नवंबर की रात साहित्य, कविता और शायरी का भव्य संगम देखने को मिलेगा। यहां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया है। रात आठ बजे से शुरू होने वाले इस साहित्यिक आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे नामचीन कवि और शायर अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को हास्य, व्यंग्य, वीर रस, प्रेम, इंसानियत और सामाजिक सरोकारों से रूबरू कराएंगे। कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की देखरेख में आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जयप्रकाश पाठक व अन्य पदाधिकारी गण जुटे हुए हैं। मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के नेता विधान मंडल दल व फरेंदा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी शामिल होंगे। इस कवि सम्मेलन एवं मुशायरे की खास बात यह होगी कि यहां कविता और शायरी के जरिए हिंदू-मुस्लिम एकता, आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर पेश की जाएगी। अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले रचनाकार एक मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उनकी रचनाओं में मोहब्बत, इंसानियत, सामाजिक समरसता और देश की साझा विरासत की झलक देखने को मिलेगी। यह आयोजन इस संदेश को भी मजबूत करेगा कि साहित्य और संस्कृति लोगों को जोड़ने का काम करते हैं, न कि बांटने का।आयोजन में अयोध्या के पंडित जमुना उपाध्याय, कोटा राजस्थान के कुंवर जावेद,जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी इस यादगार साहित्यिक महफिल के साक्षी बनेंगे।



जिलाधिकारी ने स्वयं खेत में उतरकर चलाया हसिया, किसान के साथ की धान की कटाई

क्रॉप कटिंग में स्वयं सहभागिता कर धान उत्पादन का किया आकलन, किसानों से पराली न जलाने की भावपूर्ण अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसानों के परिश्रम, मेहनत और खेती-किसानी से जुड़ाव का संदेश देते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ आज स्वयं खेत में उतरे और हसिया चलाकर धान की फसल की कटाई की। राबर्ट्सगंज तहसील के राजस्व ग्राम बिच्छी में कृषक श्री राजू कुमार मौर्य के खेत में जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग प्रक्रिया में स्वयं सहभागिता करते हुए धान उत्पादन का आकलन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसान के साथ खेत में धान की फसल काटी और क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया को करीब से समझा। उनका खेत में स्वयं हसिया चलाकर फसल काटना किसानों के श्रम और खेती के प्रति सम्मान एवं जुड़ाव का संदेश देने वाला रहा। क्रॉप कटिंग के लिए खेत में 0.0043 हेक्टेयर (43.3 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल का चयन किया गया। चयनित क्षेत्र में धान की कटाई के उपरांत उपज का वजन कराया गया, जिसमें कुल 21.880 किलोग्राम धान प्राप्त हुआ। इसके आधार पर फसल की उत्पादकता का आकलन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपद के सभी कृषक बंधुओं से भावपूर्ण अपील की कि फसल कटाई के बाद खेतों में पराली न जलाएं। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा वायु की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति को भी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान भाई पराली के उचित प्रबंधन के विकल्प अपनाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। पराली जलाते हुए पाए जाने पर शासन के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाए जाने की व्यवस्था भी है। जिलाधिकारी ने यह भी अपील की कि जिन किसान भाइयों के पास आवश्यकता से अधिक कृषि उत्पादन, चारा एवं अनाज उपलब्ध है, वे जनपद में संचालित गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के लिए स्वेच्छा से चारा एवं अनाज दान कर पुण्य के भागीदार बनें। इस अवसर पर तहसीलदार सदर राहुल सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक अमरनाथ पाठक, अपर सांख्यिकी अधिकारी संतोष कुमार मौर्य, क्षेत्रीय लेखपाल सुबोध कुमार सिंह एवं संज्जन सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



दिव्यांग छात्राओं को शिक्षा एवं आवागमन में सुविधा प्रदान करने हेतु निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल योजना शुरू, प्रत्येक विधानसभा में 20 छात्राओं को मिलेगा लाभ

पात्र दिव्यांग छात्राओं को रु65 हजार तक की ई-ट्राईसाइकिल अनुदान राशि अनुमन्य, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांग छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा विद्यालय एवं महाविद्यालय तक उनके आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से ई-ट्राईसाइकिल योजना प्रारंभ की गई है। योजना के अंतर्गत स्कूल एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत पात्र दिव्यांग छात्राओं को निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद सोनभद्र की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 20-20 ई-ट्राईसाइकिल वितरित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना का उद्देश्य ऐसी दिव्यांग छात्राओं को शैक्षिक पुनर्वास एवं आवागमन की सुविधा प्रदान करना है, जिन्हें विद्यालय, महाविद्यालय, लाइब्रेरी, लैब, हॉस्टल एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों तक पहुंचने में कठिनाई होती है। योजना के अंतर्गत प्रति ई-ट्राईसाइकिल अधिकतम रु65,000 की अनुदान राशि अनुमन्य होगी। ई-ट्राईसाइकिल योजना की प्रमुख पात्रता- छात्रा की आयु कम से कम 16 वर्ष होनी चाहिए, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए। छात्रा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय अथवा महाविद्यालय में अध्ययनरत हो। छात्रा के दोनों हाथ कार्यशील हों तथा दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो। शरीर का ऊपरी भाग ई-ट्राईसाइकिल के सुरक्षित संचालन में सक्षम होना चाहिए, विगत 05 वर्षों में किसी सरकारी योजना, सांसद निधि, विधायक निधि अथवा अन्य सरकारी अनुदान से मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल या ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त न की हो। आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेजः-आवेदन के समय आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र तथा विद्यालय/महाविद्यालय में अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना होगा। ऑनलाइन आवेदन एवं संपर्कः-इच्छुक एवं पात्र दिव्यांग छात्राएं ऑनलाइन पोर्टल http://hwd.uphq.in के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन संबंधी जानकारी एवं सहायता के लिए विकास भवन, लोढ़ी, सोनभद्र स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय, कक्ष संख्या-11 में संपर्क किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने पात्र दिव्यांग छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित पात्रता एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं, जिससे उनकी शिक्षा में आवागमन संबंधी बाधाएं दूर हों और वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकें।





अरौली में बनेगा 25.18 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय,योगी सरकार ने जारी किया बजट, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक एक ही परिसर में मिलेगी शिक्षा,1500 विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। योगी सरकार शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी कड़ी में सोनभद्र के अरौली में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण कराया जाएगा। विद्यालय के निर्माण के लिए शासन ने बजट जारी कर दिया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से ग्रामीण क्षेत्र के गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिल सकेंगे। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि रॉबर्ट्सगंज तहसील के बड़हर विकासखंड की ग्राम पंचायत अरौली में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के प्रस्ताव को शासन ने स्वीकृति प्रदान करते हुए बजट जारी कर दिया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। विद्यालय को लगभग 12 से 15 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित करने की योजना है। इसमें करीब 1500 विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की परिकल्पना के अनुरूप विद्यालय में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की पढ़ाई एक ही परिसर में होगी। इससे विद्यार्थियों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर तक की पढ़ाई के लिए अलग-अलग संस्थानों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक ही परिसर में शिक्षा की निरंतरता बनी रहेगी और बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिल सकेगा। ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा नया आयामः-बताया कि योगी सरकार का उद्देश्य प्रदेश के सरकारी विद्यालयों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर निजी विद्यालयों के समकक्ष शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी सोच के तहत विद्यालयों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, स्मार्ट शिक्षण व्यवस्था को बढ़ावा देने, बेहतर कक्षाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अरौली



में बनने वाला यह विद्यालय आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बड़ा केंद्र बनेगा।

खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को एक ही स्थान पर प्रारंभिक से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा उपलब्ध होने से काफी सहूलियत मिलेगी। इससे शिक्षा के लिए होने वाला अतिरिक्त खर्च और आवागमन की परेशानी भी कम होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि यह विद्यालय बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा।

आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं और बेहतर वातावरण के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने में मदद मिलेगी। सरकार की इस पहल से ग्रामीण अंचल में शिक्षा की गुणवत्ता को नई मजबूती मिलने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

सोनभद्र - वाहन चालकों को निशुल्क /स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।बुधवार को इंडियन रेड क्रॉस समिति शाखा सोनभद्र द्वारा दिनांक 17 नवंबर 2026 को यातायात माह में मधुपुर के सूर्य देव हॉस्पिटल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निशुल्क नेत्र परीक्षण / स्वास्थ्य शिविर का कैंप लगाकर सभी लोगों को नेत्र परीक्षण किया गया तथा यातायात माह नवंबर 2026 के लिए लोगों को यातायात नियम के बारे में बताया गया कि वाहन चलाते समय नशा का प्रयोग ना करें, चार पहिया वाहन बिना सीट बेल्ट के कदापि चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल या वॉकमैन का प्रयोग कदापि न करें, दो पहिया पर तीन सवारी का उपयोग न करें, दुर्घटना के तीन कारण नशा, नींद, तेज रफ्तार होता हैं।



हेलमेट बहुत जरूरी है ना समझो तो बहुत बड़ी मजबूरी है इसलिए सभी लोग हेलमेट का प्रयोग करें। जीवन अमूल्य अपने एवं दूसरों के जीवन की रक्षा करें।

इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा सोनभद्र सदस्य विनय कुमार श्रीवास्तव, नेत्र परीक्षण पीयूष सत्यम, यातायात प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह, यातायात सहायक प्रभारी भरत कुमार राय, हेड कांस्टेबल यातायात बृजेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल यातायात सरदार सिंह यादव,सी टी पी शिवा जी राव, पी र डी विमलेश विमलेश कुमार उपस्थित रहे।



18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित करें जिलाधिकारी

युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अनुपस्थित प्राचार्यों को नोटिस जारी करने के निर्देश,कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से न रहे वंचित, जिलाधिकारी ने महाविद्यालयों के प्राचार्यों को दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदाता सूची में नए युवा मतदाताओं के नाम शामिल कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में महाविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी प्राचार्य अपने-अपने महाविद्यालयों में यह सुनिश्चित करें कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके कोई भी छात्र अथवा छात्रा मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए पात्र छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। प्रत्येक महाविद्यालय अपने यहां पात्र युवा मतदाताओं की पहचान कर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की जिम्मेदारी गंभीरता से निभाए, ताकि कोई भी पात्र युवा मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। बैठक में अनुपस्थित महाविद्यालयों के प्राचार्यों के संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि आज की बैठक में अनुपस्थित रहे प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप पटेल, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जयराम सिंह, ओबरा डिग्री कॉलेज के प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार सिंह सहित जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



जनपद सोनभद्र में 19 से 25 नवम्बर तक मनाया जाएगा कौमी एकता सप्ताह,19 नवम्बर को राष्ट्रीय अखण्डता शपथ एवं विचार गोष्ठी का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला युवा कल्याण एवं प्रा0 वि0 दा0 अधिकारी, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रमुख सचिव, राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जनपद सोनभद्र में माह नवम्बर, 2026 के तृतीय सप्ताह में दिनांक 19 नवम्बर से 25 नवम्बर, 2026 तक कौमी एकता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दिनांक 19 नवम्बर, 2026 को राष्ट्रीय अखण्डता शपथ एवं राष्ट्रीय अखण्डता दिवस विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन दोपहर 12:00 बजे विकास भवन सभागार, सोनभद्र में किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनसामान्य से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर सहभागिता सुनिश्चित करें।



साइबर क्राइम पुलिस थाना एवं स्वाट टीम द्वारा विदेश में कंपनियां स्थापित कर नौकरी दिलाने के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का किया गया पर्दाफाश, एक अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माङ के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम, साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई एवं साइबर अपराधों के अनावरण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी/सहायक नोडल अधिकारी के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम पुलिस थाना द्वारा विदेश में कंपनियां स्थापित कर नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनका उपयोग देशभर में साइबर ठगी की धनराशि के लेनदेन में करने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए अभियुक्त सौरभ सिंह को गिरफ्तार किया गया हैं। अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं प्रकरण का विवरण- मु0अ0सं0 14/2026, धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट थाना साइबर थाना जनपद सोनभद्र के अंतर्गत अभियुक्त सौरभ सिंह पुत्र प्रमोद सिंह, निवासी नेवढ़िया, थाना करछना, जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त से पूछताछ एवं विवेचना के दौरान प्रकाश में आया कि अभियुक्त अपने सहयोगियों के साथ मिलकर विदेश में कंपनियां स्थापित कर तथा विदेश में नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर लोगों के बैंक खाते खुलवाता था। इन बैंक खातों का उपयोग देशभर में विभिन्न प्रकार की साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि के लेनदेन एवं हस्तांतरण के लिए किया जाता था। विदेश में कंपनियां स्थापित कर साइबर अपराध का नेटवर्क संचालित करनाः-पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में अपने साथी अनुपम सिंह, निवासी गोरडिहा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र की पत्नी प्रतीक्षा सिंह के नाम से निम्नलिखित कंपनियां स्थापित/संचालित की गई थीं– 1. Lab Med Medicine Logistics Company, 2. ASL Logistics Company, 3. Kumar Singh LLC, इन कंपनियों के माध्यम से भारत में लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का प्रलोभन दिया जाता था। नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड, पासबुक एवं सिम कार्ड प्राप्त कर लिए जाते थे। इनका उपयोग साइबर अपराध से प्राप्त धनराशि के लेनदेन एवं हस्तांतरण में किया जाता था। बैंक खातों की खरीद-फरोख्त एवं करोड़ों रुपये की धनराशि का हस्तांतरण- अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि साइबर अपराध में इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक खाते विभिन्न व्यक्तियों से धनराशि देकर प्राप्त किए जाते थे। इसके लिए सेविंग खातों के बदले लगभग रु10,000 से रु20,000 तथा कॉरपोरेट खातों के बदले लगभग रु50,000 से रु1,00,000 तक भुगतान किया जाता था। प्राप्त खातों को आगे साइबर अपराध में संलिप्त व्यक्तियों को लगभग रु2,00,000 तक में उपलब्ध कराया जाता था। इन खातों में निवेश, ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन शॉपिंग एवं अन्य साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से देशभर के पीड़ितों से प्राप्त धनराशि हस्तांतरित कराई जाती थी। इसके पश्चात उक्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से आगे हस्तांतरित कर नकद निकासी एवं क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित करने के माध्यम से साइबर अपराधियों तक पहुंचाया जाता था। जनपद सोनभद्र में लगभग रु37 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन एवं देशभर में 200 साइबर शिकायतें- प्रकरण की जांच में जनपद सोनभद्र से संबंधित विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से लगभग रु37 करोड़ की धनराशि का लेनदेन प्रकाश में आया है। इसके अतिरिक्त उक्त नेटवर्क से संबंधित देशभर में लगभग 200 साइबर शिकायतें एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज होने की जानकारी प्राप्त हुई है। संबंधित शिकायतों एवं उनमें संलिप्त धनराशि के समग्र आकलन के आधार पर धोखाधड़ी की कुल धनराशि रु100 करोड़ से अधिक होने की आशंका है। प्रकरण में विभिन्न बैंक खातों, संबंधित व्यक्तियों, धनराशि के स्रोत एवं उसके अंतिम हस्तांतरण की विस्तृत जांच की जा रही है। पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्तों से भी सामने आया नेटवर्क का संबंध-उक्त साइबर अपराध नेटवर्क के संबंध में जनपद सोनभद्र में पूर्व में भी प्रभावी कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था–1. मु0अ0सं0 602/2026, धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र में अभियुक्त रवि पाण्डेय पुत्र श्रीनिवास पाण्डेय, निवासी शाहगंज, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया था। 2. मु0अ0सं0 22/2026, धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट साइबर थाना जनपद सोनभद्र में अभियुक्त बृजेश कुमार पाण्डेय, निवासी उमरी, थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया था।उक्त अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों के बैंक खाते खुलवाकर साइबर अपराध हेतु उपलब्ध कराने तथा इन खातों को अनुपम सिंह एवं नायब खान के माध्यम से आगे उपलब्ध कराए जाने की जानकारी प्रकाश में आई थी। विवेचना के दौरान शिकायतकर्ता सुनील शर्मा, जय सिंह, चेतना त्रिपाठी एवं निखिल सोनी सहित अन्य पीड़ितों से संबंधित धनराशि तथा संदिग्ध व्यक्तियों के खातों के माध्यम से लगभग रु37 करोड़ के लेनदेन की जानकारी प्रकाश में आई है। अभियुक्त की विदेश यात्राएं एवं अन्य गतिविधियां-पूछताछ में अभियुक्त द्वारा वर्ष 2021 से 2025 के मध्य दुबई में रहने तथा नेपाल, थाईलैंड, कंबोडिया एवं मलेशिया की यात्रा किए जाने की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त अभियुक्त द्वारा वीजा में हेरफेर कर फर्जी वीजा उपलब्ध कराने एवं विभिन्न मार्गों से लोगों को यूरोपीय देशों में भेजने जैसी गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त हुई है। इन तथ्यों की भी विस्तृत जांच की जा रही है। अपराध करने का तरीका-अभियुक्त एवं उसके सहयोगियों द्वारा कथित रूप से निम्नलिखित तरीकों से साइबर अपराधों को अंजाम दिया जाता था– 1. JOB FRAUD: विदेश में नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर लोगों के बैंक खाते खुलवाना तथा उनके एटीएम कार्ड, पासबुक एवं सिम कार्ड प्राप्त करना। 2. INVESTMENT FRAUD: शेयर ट्रेडिंग, ऑनलाइन निवेश एवं अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों से धनराशि की ठगी करना। 3. GAMING INVESTMENT FRAUD: ऑनलाइन गेमिंग एवं निवेश के नाम पर लोगों को धन निवेश करने के लिए प्रलोभित करना। 4. ONLINE SHOPPING FRAUD: ऑनलाइन खरीदारी एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से लोगों के साथ साइबर धोखाधड़ी करना। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- सौरभ सिंह पुत्र प्रमोद सिंह, निवासी नेवढ़िया, थाना करछना, जनपद प्रयागराज। बरामदगी का विवरण- एक अदद चार पहिया वाहन महिन्द्रा थार। 02 अदद चेकबुक।कुल 27 अदद क्रेडिट/डेबिट कार्ड। 03 अदद बैंक पासबुक। केनरा बैंक में खाता खुलवाने का 01 अदद फार्म। 03 अदद मोबाइल फोन। 01 अदद एप्पल कंपनी का लैपटॉप। नेपाली मुद्रा - 10 रुपये के 02 अदद, 05 रुपये के 02 अदद, 20 रुपये का 01 अदद एवं 100 रुपये का 01 अदद नोट। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की मुद्रा - 05 रुपये का 01 अदद एवं 10 रुपये के 02 अदद नोट। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1. प्र0नि0 धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर थाना/साइबर सेल, जनपद सोनभद्र। 2. प्र0नि0 रामस्वरूप वर्मा, स्वाट टीम, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 संजय कुमार वर्मा, साइबर थाना, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 मनीष सिंह, स्वाट टीम, जनपद सोनभद्र। 5. का0 सत्यम पाण्डेय, स्वाट टीम, जनपद सोनभद्र। 6. का0 अभिषेक तिवारी, साइबर सेल, जनपद सोनभद्र। 7. का0 सुनील रावत, साइबर सेल, जनपद सोनभद्र।



स्पोर्ट्स





भारत ने फिलिस्तीन को 4-1 से हराया,कप्तान के खिलाफ विवादित इशारे पर नस्लभेद के लगे आरोप- ग्रुप-ई में लगातार तीसरी जीत

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम ने एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। मंगलवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में मिली इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप-ई में लगातार तीसरा मैच जीत लिया। टीम के अब 9 अंक हो गए हैं और वह मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई है। मुकाबले में फिलिस्तीन को शुरुआती 10 मिनट में रेड कार्ड मिला। वहीं, भारतीय कप्तान के खिलाफ एक विवादित इशारे को लेकर नस्लभेद के आरोप भी लगे। तेज बारिश के कारण दूसरे हाफ की शुरुआत में खेल कुछ देर रोकना पड़ा। भारत और फिलिस्तीन दोनों ने अपने शुरुआती दो मैच जीते थे और उनके 6-6 अंक थे। इस जीत से भारत के 9 अंक हो गए हैं। अगर ग्रुप के दूसरे मैच में मलेशिया की टीम गुआम को नहीं हरा पाती है, तो भारत का क्वालिफिकेशन पक्का हो जाएगा। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। आठवें मिनट में फिलिस्तीन के मोहम्मद जम्हूर की गलती का ऋषिकेश मानवथी ने फायदा उठाया। उनके पास पर कामगोहाओ डोंगेल ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। दो मिनट बाद ही जम्हूर को रेड कार्ड दिखा दिया गया। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी राज वाहेनबाम को किक मारी और उनके हाथ पर पैर रख दिया था। इसके बाद फिलिस्तीन को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। हालांकि, एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद फिलिस्तीन ने 33वें मिनट में बराबरी कर ली। बॉक्स में अब्देलरहमान शरीफेह को गिराए जाने पर मिली पेनल्टी को याजन खलीफा ने गोल में बदल दिया। भारतीय कप्तान के खिलाफ विवादित इशारा, नस्लभेद के आरोपः- मैच के दौरान भारतीय कप्तान और फिलिस्तीन की जर्सी नंबर-19 पहने खिलाड़ी के बीच बहस हुई। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी ने कथित तौर पर ऐसा इशारा किया, जिससे लगा कि वह भारतीय कप्तान के शरीर से बदबू आने की बात कह रहा है। इस घटना की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। इशारे को भारत और दक्षिण एशिया के लोगों के खिलाफ प्रचलित नस्लीय स्टीरियोटाइप से जोड़कर देखा गया। बारिश के कारण रुका खेल, दूसरे हाफ में भारत ने दागे 3 गोलः-पहले हाफ के बाद कुआलालंपुर में तेज बारिश शुरू हो गई। इसके कारण दूसरे हाफ की शुरुआत में खेल कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। दोबारा खेल शुरू होने पर भारत ने मैच पर नियंत्रण बना लिया और तीन गोल दागे। 52वां मिनटः मुकुंदो सिंह ने बॉक्स के बाहर से दमदार शॉट लगाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई।

60वां मिनटः मुकुंदो के कट-बैक पास पर डल्लालमुओन गांगटे ने गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। 89वां मिनटः मुकुंदो के कॉर्नर पर जोरमदिन्थारा लालहुनमाविया ने हेडर से गोल दागकर भारत की 4-1 से जीत पक्की कर दी।

वेलिंगटन में 58 साल से टेस्ट नहीं जीता इंडिया,तेज हवाओं की चुनौती, न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच आज रात से होगा

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा आखिरी



चरण में हैं। बुधवार रात 3:30 बजे से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होगी। इस सीरीज का पहला मैच रात 3:30 बजे से वेलिंगटन में खेला जाएगा। इस मैदान पर टीम इंडिया पिछले 58 साल से नहीं जीत सकी है। उसने 1968 में आखिरी टेस्ट मैच जीता था। मंसूर अली खान पटौदी की कप्तानी वाली उस टीम ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद भारत ने यहां 7 टेस्ट मैच खेले, लेकिन एक में भी जीत नहीं पाई। मैच डीटेल्सः- बेसिन रिजर्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने कुल 8 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से एक जीता है। 2 मैच ड्रॉ रहे, जबकि 5 में हार मिली है। 2020 में यहां आखिरी बार भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट हुआ था। इंडिया दोनों परियों में 200 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई थी। सिर्फ मयंक अग्रवाल (58 रन) ने फिफ्टी लगाई। बुमराह ने एक विकेट लिया था। एमएस धोनी की कप्तानी में भारत ने 2009 में न्यूजीलैंड में आखिरी बार टेस्ट सीरीज और टेस्ट मैच जीता था। इसके बाद धोनी कप्तान के तौर पर यहां आए और टेस्ट सीरीज हार गए। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की चुनौती का अंदाजा जसप्रीत बुमराह के रिकॉर्ड से लगाया जा सकता है। उन्होंने बाकी छह टीमों के खिलाफ टेस्ट में 18.76 की औसत से विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टेस्ट में उनकी गेंदबाजी औसत 45.44 है। यानी इस टीम के खिलाफ बुमराह का प्रदर्शन बाकी टीमों की तुलना में कमजोर रहा है। ऋषभ पंत ने अपने आठ टेस्ट शतकों में से 5 ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका में लगाए हैं। लेकिन, वे अब तक न्यूजीलैंड में शतक नहीं लगा पाए हैं। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां पंत की बैटिंग स्टाइल की परीक्षा लेंगी। यहां गेंद स्विंग और सीम करेगी। न्यूजीलैंड के गेंदबाज लगातार दबाव बनाए रखेंगे। लंबे कद के गेंदबाज पंत के खिलाफ गेंद को बाहर ले जाकर अतिरिक्त उछाल भी हासिल कर सकते हैं। हालांकि, पंत मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।न्यूजीलैंड ने हमेशा भारतीय टीम को परेशान किया है। 2015 में विराट कोहली के टेस्ट कप्तान बनने के बाद भारत ने न्यूजीलैंड को छोड़कर लगभग हर टीम के खिलाफ जीत-हार का बेहतर रिकॉर्ड बनाया। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 0-3 से हार मिली थी। अब गिल युग शुरू हो चुका है, लेकिन अब तक इसका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। न्यूजीलैंड ने अपनी पिछली टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड को उसके घर में 2-1 से हराया। टीम ने बाजबॉल युग खत्म किया और अब घरेलू परिस्थितियों में भारत के सामने है। बेसिन रिजर्व में तेज गेंदबाजों को मदद बेसिन रिजर्व की पिच पहले 2 दिन तेज गेंदबाजों को मदद करती है। इससे पहली पारी में स्कोर कम रहेगा। सीमर्स हावी होंगे। दूसरी पारी में पिच सपाट हो सकती है। बैटर्स के पास रन बनाने का मौका होगा। वेलिंगटन दुनिया के सबसे तेज हवाओं वाले शहरों में शामिल है। यहां हवा आमतौर पर उत्तर से दक्षिण दिशा में चलती है। इस वजह से एक छोर से गेंदबाजों को हवा के खिलाफ दौड़ना पड़ता है। इससे बल्लेबाजी और फील्डिंग, दोनों टीमों के लिए परिस्थितियां मुश्किल हो सकती हैं। टेस्ट से पहले दो दिन हल्की बूंदाबांदी हुई है। मैच साफ मौसम में शुरू होने की उम्मीद है और दिन का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11- न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, काइल जेमिसन, मैट हेनरी, जैकब डफी/ब्लेयर टिकनर। भारत : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी/अंशुल कंबोज/आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा/गुरनूर बराड़।



बच्चों की जंकफूड की आदत कैसे छुड़ाएं,डॉक्टर से जानें 10 जंकफूड के हेल्दी विकल्प, हेल्दी ईटिंग के टिप्स

नयी दिल्ली। बच्चे को भूख लगी और उसने खाने की बजाय चिप्स का पैकेट मांग लिया। कभी पिज्जा खाने की जिद, तो कभी टिफिन में रोज कुछ नया और चटपटा रखने की फरमाइश। पेरेंट्स बच्चे की जिद के आगे झुक जाते हैं। धीरे-धीरे बच्चों को लत लग जाती है। आखिर बच्चों को जंकफूड इतना पसंद क्यों आता है? इसकी एक वजह इसका स्वाद है। चिप्स, पिज्जा, बर्गर और चॉकलेट में नमक, चीनी और फैट का ऐसा कॉम्बिनेशन होता है, जो खाने को टेस्टी के साथ एडिक्टिव भी बनाता है। लेकिन जंकफूड बहुत नुकसानदायक भी है। इससे कम उम्र में बच्चों को हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल है कि बच्चों को जंक फूड से कैसे बचाएं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे कि जंकफूड एडिक्शन की। साथ ही जानेंगे कि- बच्चा जंकफूड की जिद करे तो पेरेंट्स क्या करें? बच्चे की जंकफूड खाने की आदत कैसे छुड़ाएं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. बिलाल खान, सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक मेडिसिन एंड पीआईसीयू, नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम और दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- बच्चे जंक फूड की ओर इतना क्यों आकर्षित होते हैं? जवाब- इसके पीछे कई वजहें होती हैं। इसे पॉइंटर्स से समझिए- पहली वजह इसका स्वाद है। चिप्स, पिज्जा, बर्गर और पैकेज्ड स्नैक्स में नमक, चीनी और फैट की मात्रा अधिक हो सकती है। इनका स्वाद बच्चों को जल्दी पसंद आता है और वे इन्हें बार-बार खाना चाहते हैं। रंगीन पैकेजिंग, कार्टून कैरेक्टर और आकर्षक विज्ञापन भी बच्चों का ध्यान खींचते हैं। स्कूल के आसपास दुकानें, दोस्तों के साथ बाहर खाना और ऑनलाइन फूड डिलीवरी की आसानी भी इस आकर्षण को बढ़ाती है। घर का माहौल भी इसमें अहम भूमिका निभाता है। अगर माता-पिता खुद बार-बार चिप्स, बिस्किट या शुगरी ड्रिंक लेते हैं तो बच्चे भी इन्हें सामान्य खाने का हिस्सा मानने लगते हैं। सवाल- पेरेंट्स की किन गलतियों से बच्चे जंक फूड की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं? जवाब- बच्चों की खाने की पसंद काफी हद तक घर के माहौल और माता-पिता की आदतों से बनती है। वे बड़ों को देखकर सीखते हैं और धीरे-धीरे वही आदतें अपनाने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स की कुछ छोटी-छोटी गलतियां बच्चों को जंकफूड का आदी बना सकती हैं। मसलन, बार-बार जंकफूड देना, हर जिद पूरी करना या अच्छे व्यवहार के बदले चॉकलेट देना। ऐसी गलतियों से बचना जरूरी है। ये गलतियां बढ़ाती जंक फूड की आदतः- खुद जंक फूड खाना। खाने की हर जिद मानना। बाहर से खाना ऑर्डर करना। घर में हेल्दी स्नैक्स न रखना। चिप्स-चॉकलेट का लालच देना। जबरदस्ती हेल्दी खाना खिलाना। जंक फूड खाने पर डांटना। खाने पर बहुत रोक-टोक करना। खाने का समय तय न करना। मोबाइल देखते हुए खाना खिलाना। सवाल- जंक फूड से बच्चों की सेहत पर क्या असर पड़ता है? जवाब- जंकफूड में आमतौर पर नमक, चीनी और अनहेल्दी फैट की मात्रा ज्यादा होती है, जबकि जरूरी पोषक तत्व न के बराबर होते हैं। इसका नियमित और ज्यादा सेवन बच्चों के वजन, दांतों, पाचन और मेटाबॉलिक हेल्थ पर असर डाल सकता है। जंकफूड खाने के नुकसान, मोटापा (ओबेसिटी)



ब्लड शुगर स्पाइक, दांतों में सड़न, कैविटी, थकान, और सुस्ती, फोकस में कमी। इम्यूनिटी कमजोर होना, कब्ज और गैस की समस्या, न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी, कम उम्र में डायबिटीज का रिस्क। सवाल- बच्चा जंक फूड खाने की जिद करे तो क्या करें? जवाब- ऐसे में गुस्सा करने या तुरंत उसकी मांग मानने की बजाय धैर्य से काम लें। बच्चे को प्यार से समझाएं कि रोज जंकफूड खाना ठीक नहीं है। उसकी पसंद को पूरी तरह नकारने की बजाय दूसरे विकल्प दें। क्या करें? शांत रहें, गुस्सा न करें। बच्चे की बात सुनें और वजह समझें। जंकफूड की जगह पसंद का हेल्दी स्नैक दें। ध्यान खेल या दूसरी गतिविधि में लगाएं। जंकफूड खाने की मात्रा और समय तय करें। क्या न करें? जिद पर चिल्लाएं या डांटें नहीं। हर बार मांग पूरी न करें। जंकफूड को इनाम न बनाएं। हेल्दी खाना जबरदस्ती न खिलाएं। खाने को लेकर धमकी न दें। बच्चों की खाने-पीने की पसंद अचानक नहीं बनती। घर में जो चीजें बार-बार मिलती हैं और बड़े जो खाते हैं, बच्चे भी वही अपनाते हैं। इसलिए बदलाव की शुरुआत बच्चे से नहीं, पूरे परिवार की दिनचर्या और फूड हैबिट से करें। सवाल- बच्चों को जंक फूड से दूर कैसे रखें? जवाब- सिर्फ बच्चे को समझाने से जंकफूड की आदत नहीं बदलेगी। इसके लिए घर में भी कुछ बदलाव करने होंगे। जंकफूड की उपलब्धता कम करें और बच्चों के सामने हेल्दी विकल्प रखें। इसके लिए- घर में चिप्स, कुरकुरे और सॉफ्ट ड्रिंक का स्टॉक न रखें। बाजार से जंकफूड खरीदने की फ्रीक्वेंसी कम करें। टिफिन में रोज अलग-अलग हेल्दी विकल्प दें। खाने के बीच बार-बार पैकेट वाले स्नैक्स न दें। टीवी और मोबाइल पर फूड विज्ञापनों के प्रभाव से बचाएं। जंकफूड को रोज की बजाय कभी-कभार की ट्रीट रखें। सवाल- बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट्स कैसे सिखाएं? जवाब- बच्चों में हेल्दी फूड हैबिट्स विकसित करने के लिए उन्हें छोटी उम्र से ही खाने के सही तरीके सिखाना जरूरी है। इसके लिए माता-पिता खुद उदाहरण बनें और बच्चों को खाने से जुड़ी छोटी-छोटी गतिविधियों में शामिल करें। हेल्दी ईटिंग की आदत कैसे बढ़ाएं? घर में हमेशा हेल्दी फूड रखें। फल-सब्जियां रोज खिलाएं। हेल्दी खाने को स्वादिष्ट बनाएं। बच्चों की पसंद शामिल करें। बच्चों को कुकिंग में शामिल करें। हेल्दी खाने पर तारीफ करें। खाने का समय तय करें। सब साथ बैठकर खाएं। खाते हुए मोबाइल बंद रखें। सबसे पहले खुद उदाहरण बनें। खाने को इनाम या सजा न बनाएं। बच्चे के साथ जबरदस्ती न करें। नई हेल्दी आदतें धीरे-धीरे डालें। सवाल- खाने को लेकर कोई इनाम या सजा रखना कितना सही है? जवाब- खाने को इनाम या सजा बनाना सही नहीं है, क्योंकि इससे बच्चों का भोजन के साथ स्वस्थ संबंध प्रभावित हो सकता है। इसके नुकसान- जंक फूड का आकर्षण बढ़ता है। हेल्दी भोजन मजबूरी जैसा लगने लगता है। भोजन के प्रति डर या नकारात्मक भावनाएं विकसित हो सकती हैं। कुछ फूड आइटम्स से नफरत बढ़ सकती है। आगे चलकर इमोशनल ईटिंग की आदत बन सकती है। क्या करें? इनाम के रूप में स्टिकर, खेल, कहानी या घूमने का मौका दें। बिना दबाव के बार-बार हेल्दी भोजन ऑफर करें। सवाल- क्या बच्चों को शॉपिंग और किचन एक्टिविटीज में शामिल करने से मदद मिलती है? जवाब- हां, बिल्कुल। बच्चों को किराने की खरीदारी और किचन की एक्टिविटीज में शामिल करना हेल्दी फूड हैबिट्स विकसित करने का एक प्रभावी तरीका माना जाता है। शॉपिंग के फायदे- बच्चे फल, सब्जियां और पौष्टिक खाद्य पदार्थों को पहचानना सीखते हैं। हेल्दी और अनहेल्दी विकल्पों का फर्क समझते हैं। खुद चुनी हुई चीजें खाने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। किचन एक्टिविटीज के फायदेः-भोजन के प्रति रुचि और जिम्मेदारी बढ़ती है। नए खाद्य पदार्थ चखने के लिए तैयार रहते हैं। जरूरी लाइफ स्किल्स सीखते हैं। उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां दें-छोटे बच्चेः फल-सब्जियां धोना, सलाद सजाना। बड़े बच्चेः सैंडविच बनाना, सामग्री मापना और सरल रेसिपी तैयार करना। सवाल- घर में कौन-सी हेल्दी चीजें हमेशा उपलब्ध रखनी चाहिए? जवाब- जब घर में पौष्टिक चीजें आसानी से उपलब्ध होंगी, तो बच्चों को जंकफूड की जगह हेल्दी स्नैक्स देना आसान होगा। इसके लिए किचन ये चीजें हमेशा रखें- घर में हमेशा रखें ये चीजें मौसमी फल विटामिन और फाइबर के लिए। हरी सब्जियां विटामिन्स मिनरल्स के लिए। दालें और बीन्स प्रोटीन, आयरन और फाइबर के लिए। दूध-दही विटामिन और फाइबर के लिए। दालें और बीन्स प्रोटीन, आयरन और फाइबर के लिए। मेवे और सीड्स जरूरी पोषक तत्वों के लिए। सवाल- बच्चों के लिए जंक फूड के हेल्दी विकल्प क्या हो सकते हैं? जवाब- बच्चों को जंकफूड से दूर रखने के लिए उनकी पसंद का स्वाद पूरी तरह छीनने की जरूरत नहीं है। बस खाने में थोड़े बदलाव करके उन्हीं चीजों के पौष्टिक विकल्प दिए जा सकते हैं। इससे बच्चों को पसंद का स्वाद भी मिलेगा और शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी मिलेंगे, जैसेकि- चिप्सः भुना चना, मखाना या मूंगफली।

बर्गरः घर का बना वेज या पनीर सैंडविच। पिज्जाः होल-व्हीट बेस पर घर का बना वेज पिज्जा। इंस्टेंट नूडल्सः सब्जियों वाला दलिया या होल-व्हीट नूडल्स। क्रीम बिस्कुटः ओट्स वुकीज या मेवे। चॉकलेटः फल, खजूर या डार्क फ्रूट्स। सॉफ्ट ड्रिंकः नींबू पानी, छाछ या नारियल पानी।आइसक्रीमः फ्रोजन फ्रूट योगर्ट या घर की बनी फ्रूट कुल्फी। कैंडीः ताजे फल या सूखे मेवे। पैकेट केकः कम चीनी वाला घर का बना केक या मफिन।

सैंडपेपरगेट पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बनाएगा स्वतंत्र फोरम,स्टाफ अपनी बात रख सकेंगे; मामले की दोबारा जांच नहीं होगी

स्पोर्ट डेस्क। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2018 के



सैंडपेपरगेट मामले से जुड़े खिलाड़ियों और स्टाफ को अपनी बात रखने का मौका देने के लिए स्वतंत्र फोरम बनाने का फैसला किया है। सीए के अंतरिम चेयरमैन डेविड बून और मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच तीसरे वनडे से करीब एक घंटे पहले इसकी जानकारी दी। बून ने साफ किया कि इस फोरम का मकसद पुरानी घटना की दोबारा जांच करना नहीं है। इसके जरिए घटना से जुड़े लोग अपने अनुभव और नजरिया साझा कर सकेंगे, ताकि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इस विवाद से आगे बढ़ सके। यह विवाद फिर से चर्चा में है और इसकी वजह हैं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा। उन्होंने अपनी बायोग्राफी बुक 'सन्न' में दावा किया कि 2018 के साउथ अफ्रीका दौरे पर पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी थी। क्या था 2018 का बॉल टेम्परिंग या सैंडपेपर विवाद? फरवरी-मार्च 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर थी। केपटाउन में तीसरे टेस्ट मैच के दौरान बैनक्रॉफ्ट गेंद पर सैंडपेपर रगड़ते हुए पकड़े गए। वे सैंडपेपर का टुकड़ा अपनी पैंट में छिपाने की कोशिश कर रहे थे। क्रिकेट में गेंद की सतह से छेड़छाड़ करना बॉल टेंपरिंग कहलाता है। गेंद की एक तरफ की सतह को खुरदरा करने से गेंद हवा में असमान तरीके से घूम सकती है। इससे तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग कराने में मदद मिलती है। इसके बाद तब के कप्तान स्टीव स्मिथ ने स्वीकार किया था कि टीम के लीडरशिप ग्रुप ने गेंद से छेड़छाड़ की योजना बनाई थी। इस मामले में कप्तान स्मिथ और उपकप्तान डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने का बैन लगा था। बैनक्रॉफ्ट को 9 महीने के लिए निलंबित किया गया था। स्मिथ पर अतिरिक्त 12 महीने तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में नेतृत्व की जिम्मेदारी लेने पर भी रोक लगाई गई थी। वॉर्नर पर भी कप्तानी का आजीवन प्रतिबंध लगा था, जिसे 2024 में हटा दिया गया। ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए इंटरव्यू में कहा था- 'इसमें बल्लेबाज, गेंदबाज और सपोर्ट स्टाफ सभी शामिल थे।' उन्होंने यह भी कहा कि पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट यानी दूसरे टेस्ट मैच के दौरान भी सैंडपेपर का इस्तेमाल किया गया था। ख्वाजा ने यह भी कहा कि केपटाउन टेस्ट के दौरान वे कैमरन बैनक्रॉफ्ट के पास बैठे थे, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जांच के दौरान उनका बयान तक नहीं लिया। ख्वाजा का यह दावा 2021 में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के संयुक्त बयान से अलग है। इन चारों गेंदबाजों ने उस समय गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी होने से इनकार किया था। वॉर्नर ने ख्वाजा के दावे को 100फीसदी सही बतायाः-पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर ने उस्मान ख्वाजा के दावों का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी बातें 100फीसदी सही हैं। वॉर्नर ने सोमवार को इंस्टाग्राम



पर वीडियो जारी कर यह बात कही। वॉर्नर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि जांच जल्दबाजी में और अधूरे तरीके से की गई। उन्होंने कहा- 'उस्मान बैनक्रॉफ्ट के पास बैठे थे, लेकिन उनसे पूछताछ नहीं हुई। यह कैसी पूरी जांच थी? यह बात मुझे हैरान करती है।' उन्होंने कहा कि उनका मकसद किसी पर उंगली उठाना या पुराने जख्म खोलना नहीं है। वे चाहते हैं कि मामले में जवाबदेही हो और सच की ठीक से जांच की जाए। स्टार्क बोले- मैदान पर सैंडपेपर ले जाने की जानकारी नहीं थीः-मिचेल स्टार्क ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कहा कि उन्हें मैदान पर सैंडपेपर ले जाने की जानकारी नहीं थी। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा सन्न में हुए खुलासों के बाद स्टार्क ने कहा कि इस मामले पर उनकी राय और यादें 2021 में दिए गए बयान जैसी ही हैं। स्टार्क को केपटाउन टेस्ट में पहली बार पता चलाः- स्टार्क के मुताबिक, उन्हें इस घटना की जानकारी केपटाउन टेस्ट के दौरान स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन से मिली थी। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों को सैंडपेपर ले जाने की जानकारी नहीं थी। स्टार्क ने यह भी कहा कि संभव है कि वे ख्वाजा की किताब न पढ़ें। कमिंस ने ख्वाजा के दावों को बताया था गलतः-ख्वाजा के आरोपों के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने पिछले शुक्रवार को 68 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने ख्वाजा के दावों को पूरी तरह गलत और बेतुका बताया था। इससे पहले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी गेंद पर सैंडपेपर के इस्तेमाल की जानकारी होने से इनकार कर चुके थे।

हममें सबसे ऊंचे वो हैं, जो दूसरों का सहारा बनते हैं

'यदि रोम को सात पहाड़ियों का शहर कहते हैं तो शिमला में भी ऐसा ही दिलचस्प भौगोलिक रहस्य हैं। भारत की पहाड़ों की रानी सात पहाड़ियों पर बसी है। लेकिन, रोम से इतर शिमला की पहाड़ियों ने देवताओं, गोरखा



वॉरियर्स, ब्रिटिश गवर्नर्स, स्वतंत्रता सेनानियों, थिएटर के शौकीनों, रेलवे इंजीनियरों और एक बेहतरीन कप कॉफी की तलाश करते पर्यटकों को देखा है।' यह बात हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक थर्ड ईयर के 20 वर्षीय स्टूडेंट अभिनंदित सिंह सौंखला ने मेरे कान में फुसफुसाई। पहाड़ों की हवा मानो उसकी आवाज दबाने पर तुली थी। मैं अभि की ओर देखकर सोचने लगा कि अब वह कौन-से राज खोलने वाला है। वह ऐसे व्यक्ति के आत्मविश्वास के साथ बोल रहा था, जो प्रत्येक पहाड़ी, रास्ते, वॉटर-वे, रोप-वे, कैफे और खानपान की हर खास चीज को जानता हो। उसने बताया, 'मैंने कुछ चुनिंदा रेस्तरां की डिशेज चखी हैं। मैं आपको वहीं ले जाने वाला हूं।' वह इसी समर कैपिटल में पला-बढ़ा था। उसके लिए शिमला टूरिस्ट डेस्टिनेशन नहीं, घर था। सोमवार सुबह मैं समुद्र तल से 8054 फीट की ऊंचाई पर शिमला की सबसे ऊंची जाखू हिल पर था। अभि न सिर्फ कद में ऊंचा था, उसके पास कहानियों का खजाना भी था। ऊंचे देवदार पेड़ों और 2010 में अनावरित हुई हनुमानजी की 108 फीट ऊंची मूर्ति के नीचे वह कविता सुना रहे किसी बच्चे जैसे उत्साह के साथ विजिटर्स को जाखू हिल का इतिहास बता रहा था। सब हैरान थे कि इतनी कम उम्र में उसे कितनी जानकारी है। इस यंग स्टोरीटेलर में कुछ अलग बात थी। शायद उसने हनुमानजी के उस सिद्धांत को अपना लिया था, जो उन्हें असाधारण बनाता है- ताकत तभी सार्थक है, जब वह दूसरों के काम आए। हनुमानजी के चरणों में खड़े होकर मेरी फोटो लेने के बाद अभि मुझे स्थानीय किंवदंती के जरिए रामायण में ले गया : भगवान राम और रावण के युद्ध में जब लक्ष्मण घायल हुए तो हनुमानजी को संजीवनी बूटी लाने हिमालय भेजा गया था। माना जाता है कि रास्ते में वे आराम करने जाखू पर रुके थे। यहां वे पहाड़ी पर तपस्या कर रहे ऋषि याकू- जिन्हें कुछ कथाओं में यक्ष भी कहा गया है- से मिले और उनसे संजीवनी बूटी खोजने में मदद मांगी थी। लेकिन अभि के आखिरी विचार ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया। उसने कहा कि 'हनुमानजी को सिर्फ उनके अतुलित बल नहीं, बल्कि अपनी शक्ति का इस्तेमाल दूसरों के लिए करने के तरीके के कारण भी याद किया जाता है। उन्होंने कभी रिकॅग्निशन नहीं मांगा। वे बस एक जिंदगी बचाने का रास्ता खोजने निकले थे।' मैंने उसकी बातें ध्यान से सुनीं। यहां एक युवा अपना नॉलेज एक अजनबी से शेयर कर रहा था और बदले में कोई उम्मीद नहीं कर रहा था। उसका व्यवहार वही सिद्धांत दोहराता दिख रहा था, जो उसने हाल ही में बताया था। उसके परिवार की भी एक असामान्य बिजनेस फिलॉसफी है। फिलहाल रिनोवेट हो रही उनकी 14 कमरों वाली प्रॉपर्टी गर्मियों में सिर्फ आठ कमरों के साथ फिर-से खुलेगी। वे ऐसे संजीदा यात्रियों को होस्ट करना चाहते हैं, जो हिल स्टेशन और इसकी कहानियों को अहमियत दें। ऐसों को नहीं, जो सिर्फ सोशल मीडिया फीड के लिए आते हैं। इस फैसले से भले ही गेस्ट कम हो जाएं, लेकिन यह अनुभव देने की उनकी इच्छा को दिखाता है। मेरे जैसे लोगों का मन पहाड़ों में बसता है और अभि जैसे होस्ट के पास हमें वापस यहां खींच लाने का हुनर है।

वे महज कोई रूम या किसी व्यू-पॉइंट की सैर ही ऑफर नहीं करते, बल्कि कहानियों से उस जगह को हमारी यादों में बसा देते हैं। मुझे लगा कि कोई मेमोरेबल हॉलिडे अकसर किसी पहाड़ की ऊंचाई या होटल की लग्जरी से नहीं बनता, बल्कि उस व्यक्ति की उदारता से बनता है, जो हमें दोनों चीजें खोजने में मदद करता है। फंडा यह है कि महानता या अमीरी इससे नहीं मापी जाती कि आप कितनी ऊंचाई पर खड़े हैं या कितने दौलतमंद हैं। बल्कि इससे मापी जाती है कि आप किसी दूसरे की मदद करने या उसके स्टे को अधिक सार्थक बनाने के लिए किस हद तक जा सकते हैं। एन. रघुरामन

हम इंटरनेट पर क्या देखेंगे क्या नहीं, यह आखिर कौन तय करता है?

आप इंटरनेट पर एक बार कुछ खोजते हैं और चंद ही मिनटों में आपकी पूरी डिजिटल दुनिया उसी के इर्द-गिर्द घूमने लगती है। विज्ञापन आपका पीछा करने लगते



हैं, रील्स में वही विषय बार-बार दिखाई देने लगता है और सोशल मीडिया पोस्ट्स भी अकसर उसी विषय पर होती हैं। इससे एक असहज कर देने वाला सवाल उठता है : क्या वाकई आप खुद यह तय करते हैं कि क्या देखना है, या आपके लिए कोई और यह तय कर रहा है? इसकी शुरुआत अकसर खामोशी से होती है। किसी वेबसाइट पर एक छोटा-सा बॉक्स आपसे कहता है- 'एक्सेप्ट कुकीज' और ज्यादातर लोगों की तरह आप क्लिक करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन उस एक क्लिक के पीछे एक ऐसी व्यवस्था सक्रिय हो जाती है, जो इंटरनेट पर आपकी गतिविधियों पर नजर रखने लगती है। आप क्या खोजते हैं से लेकर आप किस पोस्ट पर कितनी देर ठहरते हैं, सब निगरानी के दायरे में आ जाता है। अगर आप कुकीज स्वीकार करने से इनकार भी कर दें, तब भी आपकी गतिविधियों पर नजर रखना पूरी तरह बंद नहीं होता। इससे टारगेटेड विज्ञापनों की कुछ श्रेणियों पर रोक जरूर लग सकती है, लेकिन प्लेटफॉर्म आपका डेटा जुटाना जारी रखते हैं- खासकर तब, जब आप लॉग-इन होते हैं। यह कोई छिपी हुई प्रक्रिया नहीं है। गूगल और मेटा जैसी कंपनियां खुले तौर पर बताती हैं कि वे सेवाओं और विज्ञापनों को व्यक्तिगत पसंद के अनुरूप बनाने के लिए यूजर्स की गतिविधियों का डेटा जुटाती हैं। धीरे-धीरे इससे यह पैटर्न तैयार होता है कि आप आगे किस तरह के कंटेंट से जुड़ने की संभावना रखते हैं। तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म केवल कंटेंट दिखाते नहीं हैं, बल्कि उसे प्राथमिकता के क्रम में भी रखते हैं। कौन-सा कंटेंट सबसे पहले दिखाई देगा, कौन-सा बार-बार सामने आएगा और कौन-सा धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला जाएगा- यह सब उन एल्गोरिदम आधारित प्रणालियों से तय होता है, जिन्हें यूजर्स के इंगेजमेंट को अधिकतम करने के लिए तैयार किया गया है। समय के साथ यह ऐसा लूप बना देता है, जिसमें आप वही अधिक देखने लगते हैं, जिससे पहले ही जुड़ते रहे हैं, और वह कम देखने लगते हैं, जिसमें आपकी दिलचस्पी नहीं है।

राजनीति या न्यूज जैसी व्यापक श्रेणियां चुनने पर भी यह सिलसिला जारी रहता है। सिस्टम सभी दृष्टिकोणों को समान रूप से सामने नहीं रखता, उन्हीं को प्राथमिकता देता है, जिनसे आपके जुड़ने की संभावना अधिक है। ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि आपको किसी मुद्दे के दोनों पक्ष देखने को मिलेंगे। इसे अकसर 'फिल्टर बबल' यानी ऐसा सूचना-परिवेश कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति तक मुख्यतः उसकी पसंद और मान्यताओं से मेल खाने वाली सामग्री ही पहुंचती है। प्यू रिसर्च सेंटर और ऑक्सफोर्ड इंटरनेट इंस्टीट्यूट जैसे संस्थानों के अध्ययनों से संकेत मिलता है कि पर्सनलाइज्ड डिजिटल सिस्टम्स इस बात को प्रभावित कर सकते हैं कि यूजर्स के सामने किस तरह की सामग्री आने की संभावना अधिक है। भारत जैसे देश में- जहां लाखों लोग खबरों और सूचनाओं के प्राथमिक स्रोत के रूप में सोशल मीडिया पर निर्भर हैं- इस प्रवृत्ति का प्रभाव कहीं अधिक गहरा है। अनेक यूजर्स के लिए उनके सोशल मीडिया फीड पर दिखाई देने वाली सामग्री महज सूचना नहीं होती, बल्कि वह दुनिया को समझने का उनका नजरिया भी बन जाती है। इंटरनेट पर आप जो देखते हैं, वह केवल सूचना नहीं, बल्कि उनका चुनिंदा हिस्सा होता है, जिसे आपके पिछले व्यवहार के आधार पर आकार दिया जाता है। असली सवाल अब यह नहीं है कि हमें सूचनाओं तक पहुंच हासिल है या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम पर्याप्त सूचनाएं देख पा रहे हैं? (ये लेखक के अपने विचार हैं,आदर्श जोशी)

दुनिया में पत्रकारिता जोखिम भरा काम क्यों बन गई है?

पत्रकारिता की स्वतंत्रता और पत्रकारों की स्थिति पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' अलक्षित नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान की बेहद अशांत, लगभग भंगुर राजनीतिक व्यवस्था के बीच और सेना के



का 2026 का प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक बता रहा है कि दुनिया भर में मीडिया की आजादी कमजोर पड़ी है। बीते 25 सालों में प्रेस स्वतंत्रता का ऐसा बुरा हाल नहीं था, जैसा इस साल है। यह रिपोर्ट काम के दौरान पत्रकारों की मौत और हत्या, उन पर लगाई जाने वाली पाबंदियों, उनको जेल में डाले जाने या उनके साथ अन्य किस्म की हिंसा के आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती है। रिपोर्ट बताती है कि इस साल 180 देशों में आधे से ज्यादा का स्कोर प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में औसत से नीचे रहा है। 52 फीसदी देशों में पत्रकारिता जोखिम भरा काम हो चुकी है। यह चिंता भी जताई गई है कि लोकतांत्रिक कहलाने वाले देशों में भी प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति बदतर हुई है। मसलन ट्रम्प के अमेरिका में पत्रकारों को वह आजादी और सुरक्षा नहीं रह गई है, जैसी पहले हुआ करती थी। बेशक, ऐसी रपटों की रैंकिंग और विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते रहे हैं और उनमें कई बार ऐसी विसंगतियां मिल जाती हैं कि पूरी रिपोर्ट ही संदिग्ध हो उठती है। फिर भी इनसे कुछ स्पष्ट संकेत तो मिलते ही हैं। फिर ये संकेत बस पत्रकारिता को लेकर नहीं हैं, दरअसल इनका असली वास्ता दुनियाभर में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण से है। युद्ध, धुर-राष्ट्रवाद, पहचानों की आक्रामक दावेदारी और दुनियाभर की व्यवस्थाओं में पूंजी का बढ़ता हस्तक्षेप- यह सब लोकतांत्रिक राजनीति को कमजोर करते हैं और मीडिया पर भी चोट करते हैं। इन वर्षों में हम इन प्रवृत्तियों को मजबूत होता पा रहे हैं। यह अनायास नहीं है कि इस साल प्रेस स्वतंत्रता की जो रैंकिंग है, उसमें अमेरिका भी नीचे गया है और भारत भी। इस रैंकिंग में 180 देशों में 157वें नंबर पर मौजूद भारत संतोष कर सकता है कि वह रूस और चीन के मुकाबले बेहतर है। अलबत्ता इसी रैंकिंग में पाकिस्तान भारत से चार पायदान ऊपर बताया गया है- जो इसे कुछ विवादास्पद बनाती है, लेकिन इसे भी लगातार बने रहने वाले दखल के बावजूद वहां की पत्रकारिता अपनी व्यवस्था, अपने नेताओं की सख्त आलोचना करने की हिम्मत दिखाती रही है। भारत के संदर्भ में सोचें तो हमारी लोकतांत्रिक आजादी की बुनियाद इतनी पुख्ता है कि सत्ता मीडिया पर सीधे हमले की बात सोच नहीं सकती। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय मीडिया की विश्वसनीयता को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं। वह सत्ता से कम सवाल पूछती दिखाई पड़ रही है। मुख्यधारा के मीडिया के समानांतर जो डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं- कुछ वेबसाइटें या यूट्यूब पर बने निजी चैनल- वे इस कमी को कुछ हद तक पूरा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन ज्यादातर मंच अपने अतिरेक के मारे भी दिखाई पड़ते हैं। वैसे यह मीडिया का ही नहीं, कुछ उस समाज का भी कसूर है, जो नागरिकता के कर्तव्य भूलकर सामुदायिक पहचान के प्रति ऐसा आग्रही हो गया है कि किसी निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए तैयार नहीं है। ध्यान से देखें तो मीडिया वह थर्मामीटर भर नहीं है, जो लोकतंत्र का तापमान बताता है।

वह लोकतंत्र की आत्मा और देह को स्वस्थ रखने वाली खुराक भी है। मगर यह खुराक तब कारगर होती है, जब इसके साथ स्वतंत्रता की हवा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती की दवा भी हो। चिंता की बात यह है कि दुनिया भर में वह बौद्धिक पर्यावरण भी नहीं बचा है, जिसमें इस स्वतंत्रता को अर्जित करने की कामना फूलती-फलती रह सके। हम कई दुराग्रहों से भरे समाज में बदलते जा रहे हैं, जिसमें मीडिया की चुनौतियां बड़ी होती जा रही हैं। इस साल 180 देशों में आधे से ज्यादा का स्कोर प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में औसत से नीचे रहा है। 52 फीसदी देशों में पत्रकारिता जोखिम भरा काम हो चुकी है। यह चिंता भी जताई गई है कि लोकतांत्रिक कहलाने वाले देशों में भी प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति बदतर हुई है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रियदर्शन)

एनवीडिया मामले का हमारे स्टार्टअप्स पर भी असर पड़ेगा

कैलिफोर्निया के सांता क्लारा स्थित किसी बोर्डरूम में हुए एक नाटकीय घटनाक्रम का प्रथमदृष्टया भारत से तो कोई सीधा सम्बंध



नहीं दिख सकता, लेकिन बुरी खबर यह है कि ऐसा है नहीं। एनवीडिया को छींक भी आएगी तो बेंगलुरु, मुंबई और नई दिल्ली को दवा की जरूरत पड़ेगी! मार्च 2024 में करीब 10400 करोड़ रुपए के बजट के साथ घोषित हुए भारत सरकार के फ्लैगशिप इंडिया एआई मिशन को ही देख लीजिए। मिशन के तहत अब तक 38 हजार से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) लगाई जा चुकी हैं, जो 10 हजार यूनिट के शुरुआती लक्ष्य से करीब चौगुनी हैं। इस मिशन के तहत 65 रुपए प्रति घंटे की रियायती दर पर कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इतना ही नहीं, एआई मिशन 2.0 के तहत 20 हजार और जीपीयू शामिल करने की योजना भी है। इसी साल फरवरी में नई दिल्ली में हुई एआई समिट के आधार पर उद्योग जगत का अनुमान कहता है कि मिशन के साझा कंप्यूटिंग ढांचे का 85फीसदी से अधिक हिस्सा एनवीडिया की चिप्स पर चलता है। निजी क्षेत्र की बड़ी परियोजनाएं भी इसी पर निर्भर हैं। योट्टा की 2 अरब डॉलर की योजना के तहत 20736 ब्लैकवेल अल्ट्रा जीपीयू लगाए जाने हैं। इस परियोजना में एनवीडिया की चार वर्षों के लिए एक अरब डॉलर की कारोबारी प्रतिबद्धता है। लेकिन परियोजना अब अगस्त के बजाय नवंबर के अंत तक के लिए टल गई है। इधर, रिलायंस इंटेलिजेंस भी जामनगर में एनवीडिया की जीबी300 चिप्स के साथ दिसंबर तक अपना पहला 120 मेगावॉट का केंद्र शुरू करने की तैयारी में जुटा है। एनवीडिया की ओर से जारी ट्रांजिशन नोट में उसने अपने किसी शेड्यूल में बदलाव की बात नहीं की है। लेकिन जिस फाउंडर को व्यक्तिगत तौर पर 60 शीर्ष अधिकारी सीधे रिपोर्ट करते हों और जो इंजीनियरिंग से जुड़े फैसले आखिरी क्षणों में खुद लेता हो, उसकी जगह किसी दूसरे व्यक्ति के आने से कामकाज में बाधाएं आना तय है। जेन्सेन हुआंग के निजी मसलों को अलग रख दें, तो दुनियाभर की एआई इंडस्ट्री इस बात पर सहमत है कि वे अपनी पीढ़ी की असाधारण तकनीकी प्रतिभा वाले ऐसे विजनरी व्यक्ति हैं, जिनमें मानवता का भविष्य गढ़ने की क्षमता है। बड़ी चिंता सांता क्लारा के बजाय वॉशिंगटन में है। हुआंग अमेरिकी सांसदों को इस मामले में जानकारी देने पर सहमत हैं। वहीं सीनेट की बैंकिंग कमेटी और प्रतिनिधि सभा की हाउस कमेटियां एनवीडिया के साथ वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से भी पूछताछ कर रही हैं। जनवरी में डेमोक्रेट्स के कांग्रेस में बहुमत हासिल करने की संभावना है और चीन के प्रति सख्त रुख रखने वाले सांसद भी इस मामले को लेकर आक्रामक हैं। ऐसे में बात यह नहीं रह गई कि कड़े निर्यात प्रतिबंध लगेंगे या नहीं, बल्कि यह है कि वे कितने सख्त होंगे। यह सही है कि भारत चीन नहीं है और जाहिर तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का निशाना नई दिल्ली भी नहीं है। लेकिन चिप लोकेशन के अनिवार्य वेरिफिकेशन, रिमोट एक्सेस के कड़े नियमों और तीसरे देशों में स्थित नियोक्लाउड डेटा सेंटरों की सख्त जांच की अमेरिका की कोशिशों से चिप्स की आपूर्ति में देरी होना तय है। सबसे तगड़ा झटका हमारे एआई स्टार्टअप्स को लग सकता है। वेंचर कैपिटलिस्ट टोमाज टुंगुज ने एक बार एनवीडिया को 'सेंट्रल बैंक ऑफ एआई' कहा था। उनके मुताबिक, एनवीडिया सिर्फ चिप बेचने वाली कंपनी नहीं है, बल्कि दुनिया के 200 से अधिक स्टार्टअप्स के लिए निवेशक, ग्राहक और लीज गारंटर भी है। यदि नए नेतृत्व वाली एनवीडिया खर्चों में कटौती करती है या कर्ज पर निर्भर नियोक्लाउड कंपनियों को मिलने वाली क्रेडिट गारंटी और वित्तीय सहायता धीमी कर देती है तो इसका असर हमारे स्टार्टअप फाउंडरों पर भी पड़ेगा। भारत में एआई टूल विकसित करने वाले स्टार्टअप्स का मुनाफा पहले ही कम है। जीपीयू की उपलब्धता में दो महीने की देरी भी उन्हें ट्रेनिंग रोकने पर मजबूर कर सकती है। या उन्हें दूसरी क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनियों को भारी कीमत चुकाकर सेवाएं खरीदनी पड़ेंगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं,सचिन कलबाग)

एक नया शहर बसाने से हमें कौन रोकता है?

विजयवाड़ा में कृष्णा नदी के उस पार बसे अमरावती को चंद्रबाबू नायडु आंध्र प्रदेश की नई राजधानी के रूप में विकसित कर रहे हैं। जिस दौर में कोई भी राजनेता ऐसा काम नहीं शुरू करना चाहता, जो उसके कार्यकाल में पूरा न हो सके,



उसमें इसे दुस्साहस ही माना जाएगा। नई राजधानी बनाना बहुत लंबा काम है। इसके लिए एक कार्यकाल काफी नहीं हो सकता कि इसे पूरा करके अपनी उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सके। और अगर आप दोबारा सत्ता में न आ पाए तब क्या होगा? जैसा कि 2019 में नायडु के साथ हुआ? तब तक वे इस परियोजना के लिए जमीन का पहला 'टुकड़ा' ही इकट्ठा कर पाए थे। जगन मोहन रेड्डी ने इस परियोजना को एक ढोंग घोषित कर दिया और कहा कि इससे केवल नायडु जाति वालों को ही फायदा होगा। परियोजना को रद्द कर दिया गया, जमीन देने वाले किसानों का वार्षिक भुगतान रोक दिया गया और घोषणा कर दी गई कि आंध्र की तीन राजधानियां बनाई जाएंगी : वाइजाग कार्यपालिका की राजधानी होगी, अमरावती विधायिका की राजधानी होगी और कुरनूल न्यायपालिका की राजधानी होगी। आंध्र बड़ा राज्य है। वाइजाग से कुरनूल 700 किमी दूर है। अमरावती (विजयवाड़ा) इन दोनों के ठीक बीच में है। इस फैसले को तुगलकी फरमान ही कहा जा सकता था। लेकिन नायडु ने अपनी परियोजना खारिज नहीं की। उन्होंने इसे फिर शुरू करने का वादा किया और अब इस पर काम तेजी से चल रहा है। इस गति से कि आगे सरकार बदली, तब भी इसे उलटना संभव नहीं होगा। एक नया, जीवंत, हाई-टेक शहर- जिसकी अपनी आत्मा भी हो- बनाने के विचार से हम अपरिचित रहे हैं। जरूरत के मद्देनजर हमने सरकारी एनक्लेव जरूर बनाए, जैसे गांधीनगर, नया रायपुर, भुवनेश्वर। लेकिन ये सब सरकार के केंद्र ही रहे। आजाद भारत ने एकमात्र नया शहर जो बनाया, वह चंडीगढ़ है। इसे 5 लाख लोगों के बसने के लिए बनाया गया था, लेकिन आज उसकी आबादी शायद 14 लाख हो चुकी है।इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट्स ने 15वें वित्त आयोग को जो रिपोर्ट सौंपी थी, उसके अनुसार आजादी के बाद जितने शहर बनाए गए, उनमें 1.3 करोड़ से ज्यादा लोग नहीं बसे हैं। ये सारे शहर मंत्रियों, विधायकों-सांसदों, अफसरों, कर्मचारियों, घरेलू नौकरों की महिमामंडित कॉलोनियां ही हैं। उनमें न कोई व्यापार होता है, न कोई उद्यम है, न कोई सांस्कृतिक गतिविधि होती है। इन सबके लिए आपको बगल के पुराने शहर में जाना पड़ता है। कोई नया शहर बनाने या मौजूदा शहर को ही सुधारने के विचार से भारत को मूलतः परहेज ही रहा है। करोड़ों लोग गांवों से निकलकर शहरों में जा बसे हैं। जो शहर हमें विरासत में मिले- जिनमें से कुछ तो हजारों साल पुराने हैं या जो अस्तव्यस्त ढंग से शहरों में तब्दील हो गए- उन सबको सुधारने पर नियोजित ढंग से खर्च करना बरबादी मानी गई, एक राजनीतिक बोझ माना गया। यही वजह है कि हर शहर समय के साथ खस्ताहाल हो गया। इस बीच, करोड़ों लोग गांवों से निकलकर इन्हीं शहरों की झोपड़पट्टियों में आ बसे, जिन पर माफिया ने कब्जा जमा लिया। मुंबई में जिसे झोपड़पट्टी कहा जाता है, दिल्ली में उसे अवैध बस्तियां कहा जाता है। इन्हें वैध बनाने का वादा हर राजनीतिक दल करता रहता है। लोग खुले नालों के किनारे जीने को अभिशप्त रहते हैं। मुंबई खंडहर हो चुकी मिलों और झोपड़पट्टियों को खुराक बनाती है। अच्छी बात यह है कि अब नवी मुंबई बनाना शुरू कर दिया गया है, जिसे मुख्य शहर से ट्रांस-हार्बर लिंक रोड से जोड़ा जाएगा। इस पर काम चल रहा है। दिल्ली ने गुरुग्राम और नोएडा में बड़े उपनगरों को बेतरतीब ढंग से फैलने दिया। नतीजा यह हुआ कि इन तीनों शहरों के बीच लंबी दूरी तय करने वाले वाहनों के कारण रोजाना आवाजाही बेहद मुश्किल हो गई। दिल्ली में बड़ी आबादी अवैध बस्तियों में बदहाल स्थितियों में जी रही है। संजय गांधी ने इन बस्तियों को 'जेजे (झुग्गी-झोपड़ी) कॉलोनी' नाम दिया था। ऐसी ही बस्ती है सत्य निकेतन, जहां मकान ढहने से सात छात्र मारे गए थे। बेंगलुरु बेतरतीब ढंग से फैल गया है, जहां आर्थिक केंद्रों से शहर के केंद्र को जोड़ने वाला ट्रैफिक जितना खराब है, उतनी दुनिया में कहीं और नहीं। इसकी कुछ अमीर कॉलोनियों के मकान दूसरी मंजिल तक बाढ़ में डूब जाते हैं, वहीं साल में बाकी समय यह शहर पानी के लिए तरसता है। भारत की 'सिलिकॉन वैली' पर टैंकर माफिया का राज है। और कोलकाता के बारे में क्या कहा जाए? इसके बाहरी इलाकों में हुए कुछ विकास को छोड़ बाकी को 'स्लम' कहना भी मुश्किल है। हैदराबाद ने जरूर अपनी ऐतिहासिक भावना को टेक-उपक्रम से मजबूती दी। इसकी शुरुआत नायडु ने 1995 में पहली बार मुख्यमंत्री बनते ही की थी। उन्होंने बेंगलुरु की बराबरी करने के लिए साइबराबाद बनाया। वाईएसआर रेड्डी ने इसे और विस्तार दिया। पुराने समाजवादियों समेत कइयों ने नायडु को चेताया कि वे गरीबों की अनदेखी करके गलती कर रहे हैं। पर 2019 में चुनाव हारने के बावजूद वे अमरावती पर जिस तरह जोर दे रहे हैं, उससे जाहिर है वे बदलने वाले नहीं हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती है जमीन हासिल करना। ऐसे में नायडु की पहली खोज थी जमीन 'पूलिंग' (एकत्रीकरण) योजना। इसमें किसानों को अपनी जमीन बेचने की बजाय 'पूल' करने के लिए कहा जाता है। वह जितनी जमीन देता है, उसके हरेक एकड़ के एवज में उसे विकसित आवासीय तथा व्यावसायिक प्लॉट में हिस्सेदारी दी जाती है। जब तक जमीन को विकसित करके बेचने लायक बनाया जाता है, तब तक किसान क्या करेंगे? नायडु ने उन्हें वार्षिक भुगतान देने का वादा किया। यह राशि प्रति एकड़ प्रति वर्ष 50,000 रुपये से शुरू होती है और हर साल उसमें 5 फीसदी की वृद्धि की जाती है। आज यह 95,000 रु. हो गई है। अमरावती एक नियोजित शहर है, जिसमें 1-1 वर्ग किमी के ब्लॉक होंगे। पूरी सरकार- उसके दफ्तर, मंत्री, विधायक, हाइकोर्ट, विधानसभा-विधान परिषद, कर्मचारी शहर के बीच 7 किमी लंबे, 7 वर्ग किमी के केंद्रीय स्थल में स्थित होंगे। निवेशों की सुरक्षा के लिए भी एक कानून बनाया गया है, जिसमें व्यवस्था की गई है कि इन उपक्रमों से मिले टैक्सों का एक हिस्सा एस्क्रो खाते में जमा होगा और इसमें से किसानों को भुगतान किए जाएंगे। हाई-टेक और जीवंत भी... एक नया, जीवंत, हाई-टेक शहर- जिसकी अपनी आत्मा भी हो- बनाने के विचार से हम अपरिचित रहे हैं। जरूरत के मद्देनजर हमने समय-समय पर सरकारी एनक्लेव जरूर बनाए, लेकिन ये सब सरकार के केंद्र ही रहे। कोई नया शहर बनाने या मौजूदा शहर को सुधारने के विचार से भारत को मूलतः परहेज रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,शेखर गुप्ता)

चक्रवात अकवान की रफ्तार 110किमी/घंटा, आंध्र प्रदेश की तरफ बढ़ा,आंध्र, तेलंगाना, ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी

नयी दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान अकवान बुधवार को और ताकतवर हो गया। यह करीब 110किमी/घंटा की रफ्तार से आंध्र प्रदेश की



तरफ बढ़ रहा है। आईएमडी के मुताबिक बुधवार सुबह 5 बजे तूफान विशाखापट्टनम से करीब 610किमी और चेन्नई से करीब 580किमी दूर पहुंच चुका था।अकवान 20 नवंबर की दोपहर नेल्लोर और विशाखापत्तनम के बीच यनम तट से टकरा सकता है। उस समय हवा की रफ्तार 130 से 145किमी/घंटा तक पहुंचने की आशंका है। तूफान के चलते आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में अगले चार दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, तमिलनाडु में भी चक्रवाती तूफान का असर देखने को मिलेगा। 8 राज्यों पर चक्रवात का असर, बचाव की तैयारी:-1. आंध्र प्रदेशः चक्रवात अकवान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में होने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक, 19 और 20 नवंबर को तटीय इलाकों में भारी से बेहद भारी बारिश हो सकती है। 20 नवंबर को तूफान नेल्लोर और विशाखापट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटा और झोंकों की रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। तटीय जिलों में अलर्ट है। एनडीआरएफ की 13 और एसडीआरएफ की 11 टीमें तैनात हैं। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने और किसानों को फसल सुरक्षित करने की सलाह दी गई है। 2. ओडिशाः 18 से 21 नवंबर के बीच भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जैसे दक्षिणी जिलों में ज्यादा असर हो सकता है। निचले इलाकों में पानी भरने और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा है। सरकार ने 8 जिलों में 2 लाख 4 हजार से ज्यादा लोगों की पहचान की है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सुरक्षित जगह पहुंचाया जाएगा। प्रशासन ने राहत केंद्र तैयार रखने और संवेदनशील गांवों में लोगों को सुरक्षित निकालने की तैयारी की है। 3. तमिलनाडुः उत्तरी तमिलनाडु में 18 और 19 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई समेत तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है। हवा की रफ्तार 60 से 70किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। 4. पुडुचेरीः पुडुचेरी और कराईकल में 18 से 20 नवंबर के बीच भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जिससे तटीय इलाकों में परेशानी हो सकती है। यहां भी मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन को बारिश और समुद्र की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। 5. तेलंगानाः तेलंगाना में 20 और 21 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। खासकर राज्य के पूर्वी हिस्सों में तेज बारिश का अनुमान है। निचले इलाकों में पानी भरने और स्थानीय स्तर पर बाढ़ की स्थिति बन सकती है। प्रशासन को सतर्क रहने और बारिश से प्रभावित होने वाले इलाकों पर नजर रखने को कहा गया है। 6. पश्चिम बंगालः पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्सों में 19 और 20 नवंबर को बारिश हो सकती है। दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिमी मिदनापुर और झारग्राम के कुछ इलाकों में भारी बारिश की आशंका है।17. झारखंडः झारखंड के कुछ इलाकों में 20 और 21 नवंबर को बारिश होने का अनुमान है। कुछ जगहों पर भारी बारिश भी हो सकती है। स्थानीय प्रशासन को मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सतर्क रहने को कहा गया है। 8. छत्तीसगढ़ः राज्य में चक्रवात सीधे नहीं टकराएगा, लेकिन छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 20 और 21 नवंबर को बारिश हो सकती है। दक्षिणी और उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले चक्रवातों के नाम रखने की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इसके लिए भारत समेत कई देशों ने मिलकर एक सूची तैयार की। साल 2018 में इस समूह में ईरान, कतर, सऊदी अरब, यूएई और यमन भी शामिल हुए। इन देशों की बारी के हिसाब से चक्रवातों के नाम रखे जाते हैं। नाम तय करते समय ध्यान रखा जाता है कि वे किसी राजनीति, धर्म, संस्कृति या व्यक्ति से जुड़े न हों। ईरान ने इस बार चक्रवात का नाम अकवान रखा है। अकवान ईरान की पौराणिक कथाओं में एक राक्षस का नाम है। इसका जिक्र फारस के मशहूर महाकाव्य 'शाहनामा' में मिलता है।

कहानी के मुताबिक, अकवान एक ताकतवर दानव था, जिसका मुकाबला योद्धा रुस्तम से हुआ था। पहाड़ों पर बर्फबारी-बारिश के कारण उत्तराखंड में सर्दी बढ़ी है। गंगोत्री में बर्फबारी के बाद तापमान माइनस 14डिग्री सेल्सियस पहुंचा गया। राजस्थान के कई शहरों में मंगलवार को पारा 5डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। उत्तर प्रदेश में कोहरा छाया हुआ है। कई राज्यों में रात का पारा 10डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। कश्मीर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, गुलमर्ग में माइनस 3.4डिग्री सेल्सियस तापमान पर ठंड कश्मीर घाटी में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई।

शहबाज-मुनीर की जोड़ी दुनिया के प्रभावशाली मुस्लिमों में नंबर-1, सऊदी, तुर्किये से रक्षा समझौता वजह बना

टॉप-50 में मौलाना मदनी एकलौतें भारतीय

अम्मान। ईरान की छात्रा फातिमा जहरा शेखाबादी को 2027 का 'वुमन ऑफ द ईयर' चुना गया है। उन्हें यह सम्मान ईरान के मिनाब शहर में स्कूल पर हुए



डॉक्टर हुसाम अबू सफिया।

मिसाइल हमले में बचने और वहां मारे गए बच्चों की कहानी दुनिया तक पहुंचाने के लिए दिया गया है। 28 फरवरी 2026 को वह अपने दोस्तों के साथ स्कूल के मैदान में खेल रही थीं, तभी स्कूल पर दो मिसाइलें गिरीं। इस हमले में उनके कई दोस्तों और शिक्षकों की मौत हो गई। बच्चों को लेने आए कुछ माता-पिता भी मारे गए। फातिमा इस हमले में बच गईं। बाद में उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सामने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने दोस्तों और शिक्षकों को अपनी आंखों के सामने मरते देखा। उन्होंने दुनिया के नेताओं से मिनाब के बच्चों की आवाज सुनने की अपील की। मौलाना महमूद मदनी के अलावा एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, कारोबारी अजीम प्रेमजी और दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन भी 500 लोगों की सूची में हैं। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान और शबाना आजमी के साथ संगीतकार एआर रहमान का नाम भी इस सूची में शामिल है। टॉप-50 में शामिल इकलौते भारतीय मदनी कौन हैं? मौलाना महमूद मदनी जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष हैं। यह संगठन 1919 में देवबंद के इस्लामी विद्वानों ने बनाया था। संगठन ने ऐतिहासिक रूप से धर्म के आधार पर अलग राष्ट्रीय पहचान बनाने के विचार का विरोध किया और सभी समुदायों के साथ मिलकर रहने की बात की। महमूद मदनी ने 1992 में दारुल उलूम देवबंद से पढ़ाई पूरी की थी। उनके दादा हुसैन अहमद मदनी 1957 तक जमीयत के प्रमुख रहे। इसके बाद उनके पिता असद मदनी ने संगठन की कमान संभाली। 2006 में पिता की मौत के बाद संगठन में नेतृत्व को लेकर विवाद हुआ था। महमूद मदनी 2001 से 2021 तक संगठन के महासचिव रहे। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। रिपोर्ट में अल्पसंख्यकों के अधिकारों, नागरिकता और धार्मिक आजादी के लिए उनकी कानूनी लड़ाई का जिक्र है। जॉर्डन का रॉयल इस्लामिक स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर (आर.आई.एस.एस.सी) इस्लामी दुनिया से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाला एक जाना-माना शोध संस्थान है। यह संस्थान साल 2009 से हर साल 'द मुस्लिम 500' नाम से एक रिपोर्ट जारी करता है। इसमें दुनिया के 500 सबसे प्रभावशाली मुस्लिम व्यक्तित्वों की सूची तैयार की जाती है। इस रिपोर्ट में राजनीति, धर्म, शिक्षा, कारोबार, विज्ञान, मीडिया और समाज सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले मुस्लिम व्यक्तित्वों को शामिल किया जाता है। इसका उद्देश्य यह पहचानना है कि दुनियाभर में मुस्लिम समाज और इस्लामी दुनिया पर किन लोगों का सबसे ज्यादा प्रभाव है। आर.आई.एस.एस.सी, जॉर्डन के रॉयल आल अल-बैत इंस्टीट्यूट फॉर इस्लामिक थॉट से संबद्ध है। यह संस्थान जॉर्डन के शाही परिवार के संरक्षण में काम करता है।

राहुल अमेरिका में बोले- भारत आर्थिक संकट की कगार पर,बेरोजगारी और शिक्षा सिस्टम भी बड़ी समस्या

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर



बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। राहुल अमेरिका के दो दिन के दौरे पर हैं। वे आज यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो का दौरा भी करने वाले हैं। राहुल की बातचीत की 5 बड़ी बातें:- 1. एसआईआर पर खर्च को लेकर सवालः राहुल ने स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को सामान्य अभियान से बिल्कुल अलग बताया। उन्होंने कहा, 'इस अभियान में जितना पैसा खर्च किया गया, वह अनुमान से 20, 30, 40 या 50 गुना तक ज्यादा था। इतना पैसा कहां से आया। इस अभियान में खर्च की गई रकम को लेकर कई सवाल हैं, जिनका जवाब मिलना चाहिए।' 2. वोटों के अंतर को बताया असंभवः राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' 3. चुनावी व्यवस्था में सुधार को बताया जरूरीः राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है। चुनावी व्यवस्था को ठीक किए बिना कुछ नहीं हो सकता। निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी है।' 4. युवाओं को अपना भविष्य नहीं दिख रहाः राहुल ने कहा, 'युवाओं में मौजूदा हालात को लेकर निराशा है। इनमें एक वर्ग मध्यमवर्गीय परिवारों से आता है और उसने औपचारिक शिक्षा हासिल की है। हम इस पर अध्ययन कर रहे हैं और इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं। इसकी सबसे अहम वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता।' 5. युवा और माता-पिता के बीच फासला बढ़ाः राहुल ने कहा, 'करियर को लेकर युवाओं और उनके माता-पिता के बीच दूरी बढ़ रही है। युवा पिछली पीढ़ी की सलाह और उसके अनुभवों पर सवाल उठा रहे हैं। वे अपने माता-पिता से यह कह रहे हैं- आप सफल नहीं थे। आप हमें वह करने के लिए नहीं कह सकते, जो आपने किया, क्योंकि आज के समय में वह फॉर्मूला काम नहीं करता।'

आतंकी बोला- सरेंडर नहीं करूंगा,खुदा से मिलना है,सी.आर.पी.एफ जवानों पर हमला करने वाला लश्कर कमांडर मस्जिद में छिपा था,सुरक्षाबलों ने मार गिराया

कुलगाम। सी.आर.पी.एफ पोस्ट पर फायरिंग करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी



लतीफ भट को सुरक्षाबलों ने बुधवार को एनकाउंटर में मार गिराया। वह एक मस्जिद के अंदर छिपा था। मुठभेड़ से पहले जवानों ने उसे वीडियो कॉल कर सरेंडर करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारी ने उससे कहा, 'हम तुम्हारे साथ हैं, जिंदगी अभी बाकी है।' लतीफ ने जवाब दिया, 'मुझे अल्लाह से मुलाकात करना है। बहुत खुश हूं मैं। सरेंडर नहीं करूंगा।' सुरक्षाबलों के मुताबिक, लतीफ ने उमर निसार डार के साथ 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में सी.आर.पी.एफ की पोस्ट पर फायरिंग की थी। इसमें 3 जवान घायल हो गए थे। इसके बाद से दोनों फरार थे। 16 नवंबर को अखरान के लारू इलाके में दोनों आतंकियों को पुलिस ने घेर लिया था। फायरिंग में उमर मारा गया, लेकिन लतीफ भाग निकलने में कामयाब हो गया था। उसके पैर में गोली लगी थी। इसके बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। दो दिन बाद फिर देवसर इलाके के जांगलपोरा गांव की एक मस्जिद में छिपे होने की जानकारी मिली थी। 22 साल के लतीफ पर पुलिस ने 15 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वह 2025 की शुरुआत में घर से लापता हो गया था। इसके बाद उसके परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव सज्जाद गुल ने उसे लश्कर-ए-तैयबा और उसके प्रॉक्सी नेटवर्क टी.आर.एफ में भर्ती किया था। लतीफ ने अशमुजी के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने कुछ समय कुलगाम के सरकारी डिग्री कॉलेज में पढ़ाई की और फिर बढ़ई का काम करने लगा। उमर ने लतीफ को छह महीने तक पनाह दी थी। दोनों ने हमले से पहले कई इलाकों की रेकी की थी। पिछले 6 महीने में जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के 4 कमांडर



मारे गए। इनमें लतीफ के अलावा जाकिर अहमद गनई, यासिर और मूसा उर्फ आसिफ फौजी शामिल हैं। जाकिर अहमद गनई 8 जुलाई 2026 को शोपियां में मारा गया, जबकि यासिर 4 सितंबर को ऑपरेशन असधर और मूसा उर्फ आसिफ फौजी 30 सितंबर को बडगाम में ऑपरेशन शेरुवाली के दौरान मारा गया।

ट्रम्प के असैसिनेशन की साजिश- पाकिस्तानी को 27 साल जेल,ईरान के लिए काम कर रहा था,अंडरकवर एफ.बी.आई एजेंट्स को हत्यारा समझकर सुपारी दी

वॉशिंगटन डीसी।अप्रैल 2024 में ईरान में करीब एक हफ्ता बिताने



के बाद आसिफ अमेरिका पहुंचा। वहां उसने हत्या की साजिश में मदद के लिए अपने एक परिचित से संपर्क किया। उस परिचित ने एफ.बी.आई को इसकी जानकारी दी और जांच में मदद करने लगा। बातचीत की रिकॉर्डिंग में आसिफ ट्रम्प की हत्या की योजना समझाते और राजनीतिक रैली के दौरान उन्हें निशाना बनाने का तरीका बताते हुए सामने आया। इसके बाद उसने ऐसे लोगों से संपर्क किया जिन्हें वह हत्या के लिए तैयार हत्यारे समझ रहा था, लेकिन वे एफ.बी.आई के अंडरकवर एजेंट थे। आसिफ उनसे तीन बार मिला। उसने बताया कि वह विदेश में कुछ लोगों के साथ मिलकर एक नेता की हत्या करवाना चाहता है। इस काम के लिए उसने 5 हजार डॉलर एडवांस भी दिए। यह रकम उसे विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों की मदद से मिली थी। उसे 12 जुलाई 2026 को टेक्सास के रिचमंड में गिरफ्तार किया गया। उस समय वह अमेरिका से बाहर जाने के लिए एयरपोर्ट रवाना होने वाला था। जांच एजेंसियों को आसिफ के लैपटॉप, मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट से कई सबूत मिले। इनसे पता चला कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव और ट्रम्प की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। उसने ट्रम्प की चुनावी रैलियों के बारे में इंटरनेट पर सर्च किया था। न्यू जर्सी में ट्रम्प की एक रैली की लोकेशन गूगल मैप पर भी खोजी थी। उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर कासिम सुलेमानी की तारीफ और ट्रम्प व अमेरिका के खिलाफ पोस्ट भी मिलीं। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि अमेरिका



अपने नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी संगठनों की साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा। एफ.बी.आई अधिकारियों ने भी कहा कि आसिफ की साजिश से देश की सुरक्षा को गंभीर खतरा था। उनके मुताबिक, इस मामले में मिली सजा आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का उदाहरण है।

'आजम को जमानत पर रहने दें, आसमान नहीं टूट पड़ेगा',सुप्रीम कोर्ट की ईडी को फटकार

नयी दिल्ली। सपा नेता आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ बुधवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी को जज ने फटकार लगाई। कहा कि इतनी जल्दी क्या है, आजम को जमानत पर रहने दीजिए, कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ईडी मामले में तुरंत सुनवाई की मांग कर रही थी।ईडी के वकील एएसजी एसवी राजू ने कोर्ट से कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश जल्दबाजी में पारित किया। हमें पूरा जवाब दाखिल करने का समय भी नहीं मिला। यह अंतरिम नहीं, अंतिम आदेश जैसा था। इसलिए इस मामले को तुरंत ही सुना जाना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मामले को कल सुनने के लिए कहा तो एएसजी राजू ने कहा- तब तक रिहाई पर रोक लगा दीजिए, वरना वह जेल से बाहर आ जाएंगे। बेंच ने तुरंत ही इस मांग को ठुकरा दिया। इससे पहले, हाईकोर्ट ने आजम को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को अंतरिम जमानत दे दी थी। उनकी आज यानी बुधवार को जेल से रिहाई हो सकती है। आजम एक साल बाद जेल से बाहर आएंगे। रामपुर में आजम के घर पर मिठाइयां बांटी जा रही हैं। आजम की पत्नी तंजीम फातिमा ने कहा- उन्हें अल्लाह पर भरोसा था। कुछ ताकतें नहीं चाहती थीं कि आजम बाहर न रहें। पैन कार्ड मामले में आजम को 17 नवंबर 2025 को रामपुर जेल भेजा गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने आजम की याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दी थी। साथ ही हाईकोर्ट से अंतरिम राहत के मामले में जल्द फैसला लेने को कहा था। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस देवेंद्र सिंह की बेंच ने कहा कि 31 अक्टूबर को रामपुर जेल के गेट पर आजम की गिरफ्तारी के दौरान तय नियमों का पालन नहीं किया गया। आजम के वकील ने बताया कि हाईकोर्ट ने आजम को एक पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही राशि की दो जमानतें जमा करने पर रिहाई का आदेश दिया। हाईकोर्ट के फैसले की 5 बड़ी बातें:- 1- जेल गेट से गिरफ्तारी



दुर्भावनापूर्णः कोर्ट ने कहा कि 31 अक्टूबर को पैन कार्ड केस में जमानत मिलते ही आजम खान को शाम 7:10 बजे जेल गेट से गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई पहली नजर में दुर्भावनापूर्ण थी। 2- गिरफ्तारी की वजह लिखित में नहीं बताईः कोर्ट के मुताबिक, आजम खान को गिरफ्तारी के समय लिखित में आधार नहीं बताए गए। अरेस्ट मेमो में जगह, तारीख और समय भी खाली थे। 3- बहन को भेजे मैसेज में भी दस्तावेज नहीं थेः 31 अक्टूबर की रात 9:10 बजे बहन को वॉट्सएप मैसेज भेजा गया। रात 9:19 बजे ई-मेल भी किया गया। दोनों के साथ गिरफ्तारी के आधार नहीं भेजे गए। 4- वीडियोग्राफी का सबूत नहीं मिलाः ईडी ने गिरफ्तारी की वीडियोग्राफी होने का दावा किया था। कोर्ट ने कहा कि ईडी ने कोई वीडियो या फोटो पेश नहीं किया। रिमांड अर्जी में भी वीडियोग्राफी का जिक्र नहीं था। 5- अगली सुनवाई तक अंतरिम जमानतः हाईकोर्ट ने आजम खान को अंतरिम जमानत दी। इसके लिए व्यक्तिगत मुचलका और दो जमानती देने होंगे। ईडी को जवाब के लिए एक सप्ताह और आजम खान को जवाब के लिए 10 दिन मिले हैं। अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। ईडी की कार्रवाई का संबंध मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े जौहर ट्रस्ट से है। एजेंसी सरकारी निर्माण कार्यों के धन और सामग्री के कथित दुरुपयोग, जमीन की खरीद और विश्वविद्यालय के निर्माण में इस्तेमाल हुए धन के स्रोत की जांच कर रही है। ईडी के मुताबिक, इस मामले की जांच रामपुर के अजीमनगर थाने में दर्ज 26 एफआईआर के आधार पर शुरू हुई। एजेंसी ने अपनी जांच में आरोप लगाया कि सरकारी ठेकों से जुड़े धन और निर्माण सामग्री का इस्तेमाल विश्वविद्यालय परिसर के निर्माण में किया गया। 59 इमारतों के निर्माण और 114 बैनामों से हासिल जमीन की कीमत 499.09 करोड़ रुपए आंकी गई, जबकि वैध स्रोतों से 72.63 करोड़ रुपए का हिसाब मिला। बाकी 426.46 करोड़ रुपए को एजेंसी ने कथित अपराध की कमाई माना है। इसी आधार पर 28 अक्टूबर को ईडी ने यूनिवर्सिटी की जमीन और इमारतों की करीब 426.46 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच की थी। 29 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने 2 पैन कार्ड मामले में आजम और बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा सस्पेंड कर दोनों को जमानत दी। इसके बाद दोनों को रामपुर जेल से रिहा कर दिया गया। आजम 11 महीने बाद 31 अक्टूबर की शाम रामपुर जेल से बाहर आए। 15 मिनट बाद ही ईडी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया और गाजियाबाद ले गई। ईडी की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने आजम को पहले 14 नवंबर और फिर 26 नवंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आजम खान की ओर से कपिल सिब्बल और इमरान उल्लाह ने पैरवी की।

रूस का सैन्य ट्रांसपोर्ट विमान साइबेरिया में क्रैश,सवार सभी 19 लोगों की मौत-हवा में ही विमान में लग गई थी आग

मॉस्को। रूस के दक्षिण-पश्चिमी साइबेरिया में मंगलवार को सैन्यविमान क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 19 लोगों की मौत हो गई। रूसी मीडिया आउटलेट 'इजवेस्टिया' ने बताया कि यह ट्रांसपोर्ट विमान था। एयरक्राफ्ट सीधा नीचे गिरा और इसमें हवा में ही आग लग गई थी। हालांकि, यह कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुआ यह अभी साफ नहीं है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट्स में इसके उपकरण फेल होने से हादसा हुआ है। केमेरोवो इलाके के गवर्नर इल्या सेरेद्यूक ने यागुनोवो गांव के पास विमान दुर्घटना की



पुष्टि की। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान एएन-12 है, जो सैन्य मालवाहक विमान है। इसे सोवियत संघ के दौर में यूक्रेन की एंटोनोव कंपनी ने बनाया था। एएन-12 चार इंजन वाला टर्बोप्रॉप ट्रांसपोर्ट प्लेन है, जो 1950 के दशक के अंत से सेवा में है। 1000 से ज्यादा का निर्माण किया गया और कुछ अभी भी रूस और अन्य देशों में परिचालन में हैं। इस विमान का इस्तेमाल सेना के जवानों, हथियारों, गोला-बारूद और दूसरे जरूरी सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए किया जाता है। एएन-12 में चार इंजन लगे होते हैं, इसकी लंबाई करीब 33 मीटर और पंखों की चौड़ाई करीब 38 मीटर है। यह करीब 670 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। यह विमान एक बार में करीब 20 टन सामान ले जा सकता है। इसमें सैन्य वाहन, हथियार और दूसरे भारी उपकरण भी रखे जा सकते हैं। करीब 90 सैनिकों को ले जाने की क्षमता है। एएन-12 के पिछले हिस्से में सामान चढ़ाने और उतारने के लिए बड़ा दरवाजा दिया गया है। इसका इस्तेमाल सैन्य ठिकानों तक सामान पहुंचाने के साथ-साथ बाढ़, भूकंप और दूसरी आपदाओं के दौरान राहत सामग्री पहुंचाने में भी किया जाता है। एएन-12 का उत्पादन 1970 के दशक की शुरुआत में बंद हो गया था, लेकिन इसके कई विमान लंबे समय तक अलग-अलग देशों की वायुसेना और मालवाहक सेवाओं में इस्तेमाल होते रहे हैं।

'वीआईपी के लिए सड़कें चमकाईं जनता के लिए कचरा छोड़ा' बॉम्बे हाईकोर्ट की बीएमसी को फटकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को मुंबई की सड़कों की सफाई को लेकर बृहमुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि वीआईपी के आने पर ही सड़कें सुधारी जाती हैं, शहर को साफ-सुथरा किया जाता है। फिर आम लोगों (मुंबईकर) को सुविधा क्यों नहीं मिलती? कोर्ट ने कहा कि खास मेहमानों के आने पर 2 दिन सफाई का दिखावा करने के बजाय शहर को हमेशा साफ रखना चाहिए। दरअसल, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और प्रिंसेस कैथरीन के मुंबई दौरे से पहले शहर की सड़कों की सफाई कराई गई थी। दोनों 16 नवंबर को मुंबई पहुंचे थे। 17 नवंबर को वे अर्थशॉट प्राइज सेरेमनी में शामिल हुए। इस दौरान दोनों ने गली क्रिकेट खेला, जबकि प्रिंस विलियम इलेक्ट्रिक ऑटो चलाते हुए भी नजर आए। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की बेंच बढ़ते वायु प्रदूषण और कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के पास जहरीली गैसों के रिसाव को लेकर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा, 'जब खास लोग शहर में होते हैं तो बीएमसी सड़कें साफ-सुथरी कर देता है। ऐसा हमेशा के लिए क्यों नहीं कर दिया जाता? सड़कों के साफ-सुथरे होने का दो दिन का दिखावा करने के बजाय बीएमसी कोई स्थायी व्यवस्था कर सकती है।'

सलमान खान के नए गाने पर भड़कीं सोना महापात्रा,बोलीं- सैनिकों पर बनी 'मातृभूमि' में दो पेग लगाने की बात कर रहे

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' में उनका गाया हुआ नया गाना 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' विवादों में आ गया है। सिंगर सोना महापात्रा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर सलमान खान और उनके इस नए ट्रैक पर तीखा तंज कसा है। चित्रांगदा सिंह और सलमान पर फिल्माए गए इस गाने में शराब पीने और हवाई जहाज की तरह उड़ने जैसे बोल हैं। सोना ने सैनिकों के बलिदान पर आधारित फिल्म में ऐसे गाने रखने पर सवाल उठाए और कहा कि उन्हें सलमान से विवाद कर बॉलीवुड करियर गंवाने का कोई अफसोस नहीं है। 'सैनिकों पर बनी फिल्म में दो पेग का गाना'- सोना महापात्रा ने अपने वीडियो में सलमान खान के हालिया रिलीज गाने 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' के बोल पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'मिस्टर खान का नया मास्टरपीस एक ऐसी फिल्म से आया है, जो कथित तौर पर हमारे सैनिकों के बलिदान से प्रेरित है। और हमारे सुपरस्टार दो पेग लगाने और हवाई जहाज



बनने के बारे में गा रहे हैं।' सोना ने आगे कहा कि लोग उनसे कहते थे कि सलमान खान से झगड़ा मोल न लिया होता तो उनका बॉलीवुड करियर शानदार होता। इस पर तंज कसते हुए उन्होंने पूछा कि क्या यही वह बॉलीवुड सिंगिंग है जिसे उन्होंने खो दिया और आज किसके करियर को सहानुभूति की जरूरत है। वीडियो के कैप्शन में भी सोना महापात्रा ने सलमान खान पर सीधा हमला बोला। उन्होंने लिखा, 'वह बॉलीवुड करियर जिसे खोने का मुझे अफसोस होना चाहिए था। सलमान खान, आपने फिर से खुद को पीछे छोड़ दिया है।' सोना ने कहा कि जब पूरी इंडस्ट्री बॉलीवुड प्लेबैक सिंगिंग के पीछे भाग रही थी, तब वे अपना खुद का संगीत और शो तैयार कर रही थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी ताकतवर शख्स के दरबार में हाजिरी लगाने के बजाय खुद की दुनिया बनाना बड़ी उपलब्धि है और उन्हें ये 'शाही दरबार' कभी अपने समय के लायक नहीं लगे। 2016 के 'सुल्तान' और 2019 के 'भारत' विवाद को भी किया याद- सोना महापात्रा ने सलमान खान के साथ अपने पुराने टकरावों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि साल 2016 में जब सलमान ने फिल्म 'सुल्तान' की शूटिंग की थकान की तुलना रेप पीड़ित महिला से की थी, तब सोना ने इसकी आलोचना की थी। इसके बाद उन्हें और उनकी मां को रेप की धमकियां मिलीं और अश्लील मॉर्फ्ड तस्वीरें वायरल की गईं, जिस पर पुलिस शिकायत और तत्कालीन महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी के मंत्रालय को हस्तक्षेप करना पड़ा था। इसके अलावा 2019 में जब सलमान ने शादी के लिए फिल्म 'भारत' छोड़ने पर प्रियंका चोपड़ा का बार-बार मजाक उड़ाया था, तब भी सोना ने इसे बुलीइंग बताते हुए सलमान के 'सेवियर कॉम्प्लेक्स' पर सवाल उठाए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के दौरान इंसानों को चुकानी पड़ने वाली कीमत पर आधारित है। टीजर और पोस्टर ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाई है।

राम हर भारतीय के खून में हैं-जावेद अख्तर,मौलाना साजिद रशीदी भड़के, कहा- घर वापसी कर नाम बदलकर रामपाल रख लें

मुंबई। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने मंगलवार को कहा कि भारत के हर इंसान के खून में भगवान राम हैं, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। जावेद के



इस बयान पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अपना नाम बदलकर रामपाल रख लेना चाहिए। दरअसल, मंगलवार को मुंबई में इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी (आईपीआरएस) की म्यूजिक क्रिएटर रिपोर्ट लॉन्च के दौरान जावेद अख्तर से नितेश तिवारी की फिल्म रामायण और उसके गानों को लेकर भी सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि फिल्म में बड़े संगीतकारों और गीतकारों ने काम किया, लेकिन उसके गाने लोगों के दिलों को उस तरह नहीं छू सके। वहीं, उनके लिखे एक गाने की एक लाइन ने लोगों पर गहरा असर छोड़ा। ऐसा क्यों हुआ? इस सवाल पर जावेद अख्तर ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'इसका सीधा सा जवाब है कि मैं एक अच्छा लेखक हूं। शुरुआत यहीं से करते हैं। मेरे लिखे शब्द लोगों के दिलों तक पहुंचते हैं। इसमें परेशानी क्या है?' इसके बाद उन्होंने अपनी बात समझाने के लिए कवि अब्दुर्रहीम खानखाना यानी रहीम का एक दोहा सुनाया। उन्होंने कहा कि रहीम ने लिखा था, 'रहिमन मुश्किल आ पड़ी, टेढ़े दऊ काम। सीधे से जग न मिले, उलटे मिले ना राम?' जावेद अख्तर ने कहा कि राम को केवल एक व्यक्ति के रूप में देखना सही नहीं है। राम एक विचार हैं। वे नैतिकता और जीवन जीने के एक तरीके का प्रतिनिधित्व करते हैं। जावेद अख्तर बोले- राम हर भारतीय के खून में हैं:-बातचीत के दौरान जावेद अख्तर ने कहा, 'हो सकता है कि कई लोग मेरी बात सुनकर मुझसे नाराज भी होंगे। हिंदुस्तान के हर आदमी के खून में, उसका कोई भी मजहब हो, राम मौजूद हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अभी तक रामायण नहीं देखी है, लेकिन वे यह फिल्म जरूर देखेंगे। वहीं, उनकी बेटी और फिल्ममेकर जोया अख्तर ने नितेश तिवारी की रामायण देखी है। उन्हें फिल्म पसंद आई। जावेद ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जोया बहुत मुश्किल से किसी चीज की तारीफ करती हैं। उन्होंने तो कभी अपने पिता की भी तारीफ नहीं की। राम और कृष्ण पर भक्ति गीत लिख चुके हैं जावेदः- जावेद अख्तर फिल्मों के लिए भक्ति गीत लिख चुके हैं। फिल्म लगान (2001) का गीत ओ पालनहारे जावेद अख्तर ने लिखा था। यह भगवान से प्रार्थना करता हुआ गीत है। वहीं, स्वदेश (2004) में उन्होंने गीत पल पल है भारी लिखा था। यह रामलीला के सीन में इस्तेमाल हुआ था। इसमें सीता के नजरिए से राम और रावण के विचारों को दिखाया गया था। मौलाना साजिद रशीदी ने क्या कहा? जावेद अख्तर के बयान पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने प्रतिक्रिया दी। मौलाना ने



एएनआई से कहा, 'जावेद अख्तर एक बिजनेसमैन हैं। बॉलीवुड में इनके गाने बिकते हैं। जब तक ये इस तरह की बातें नहीं करेंगे, तो इनके गाने कौन खरीदेगा?' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे कई बार पब्लिक प्लेटफॉर्म पर कह चुके हैं कि मैं नास्तिक हूं, मैं किसी धर्म को नहीं मानता। एक मुफ्ती साहब, मुफ्ती शमाइल नदवी के साथ उनका एक डिबेट भी वायरल हुआ था। वहां भी उन्होंने यही कहा था कि मैं अल्लाह को नहीं मानता, मैं राम को नहीं मानता, मैं किसी को नहीं मानता। यानी गॉड है ही नहीं।' उन्होंने यह भी कहा, 'जो आदमी नास्तिक है, वह राम में इतनी आस्था दिखा रहा है, तो मेरा उन्हें एक सुझाव है कि आप एक काम करो घर वापसी कर लो और अपना नाम जावेद अख्तर की जगह रामपाल रख लो। अच्छा लगेगा। ताकि आपके हिंदू, जो भी 80 प्रतिशत हिंदू हैं, कम से कम आपको पूरा सम्मान दें, पूरी इज्जत दें।' जावेद अख्तर के बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जावेद अख्तर का अपना नजरिया है। हर व्यक्ति धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या अपने तरीके से करता है। अगर जावेद की सोच ऐसी है, तो उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है।

बॉयफ्रेंड हर समय ब्रेकअप की धमकी देता है,मैं उससे प्यार करती हूं, लेकिन धमकियों से तंग आ चुकी हूं- क्या करूं?

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 25 साल है और मैं दो



साल से रिलेशनशिप में हूं। मेरा पार्टनर हर छोटी बात पर ब्रेकअप की धमकी देता रहता है। किसी मामूली बात पर बहस होती है और वह तुरंत ब्रेकअप की बात करने लगता है। कभी मैं उसके मैसेज का जवाब देर से दूं, कभी दोस्तों के साथ बाहर चली जाऊं या उसकी किसी बात से असहमत हो जाऊं, तो वह कहता है कि अगर तुम्हें इस रिश्ते की परवाह नहीं है तो हम अलग हो जाते हैं। बाद में खुद ही माफी मांगकर सब ठीक करने की कोशिश करता है। मैं उससे प्यार करती हूं, लेकिन ब्रेकअप की धमकियों से ऊब गई हूं। इस डर के साथ नहीं जीना चाहती। क्या बार-बार ब्रेकअप की बात करना इमोशनल मैनिपुलेशन है? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। हां, आपके बताए व्यवहार में इमोशनल मैनिपुलेशन के साफ संकेत हैं। खासकर तब, जब आपका पार्टनर हर असहमति या छोटी नाराजगी को रिश्ता खत्म करने की धमकी में बदल देता है। मनोविज्ञान की भाषा में इसे भावनात्मक दबाव बनाने वाला व्यवहार कहा जा सकता है। रिश्ते में मतभेद होना सामान्य है। दो लोगों की पसंद, सोच और जरूरतें हमेशा एक जैसी नहीं हो सकतीं। लेकिन हर मतभेद का जवाब ब्रेकअप की धमकी नहीं होता। जब कोई व्यक्ति बार-बार रिश्ता खत्म करने की बात करता है, तो दूसरा व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी बात कहना बंद कर सकता है। उसे लगने लगता है कि कहीं मेरी किसी बात से पार्टनर नाराज न हो जाए। कहीं वह मुझे छोड़ न दे। यहीं से रिश्ते में प्यार के साथ डर भी जुड़ने लगता है। बार-बार ब्रेकअप की धमकी देना हेल्दी नहीं है। यह पार्टनर के भीतर डर पैदा करना है। आपको पार्टनर से इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए। वो माफी किसी काम की नहीं, जो व्यवहार में दिखाई न दे। बार-बार ब्रेकअप की धमकी मैनिपुलेशन कैसे? इमोशनल मैनिपुलेशन का मतलब है, अपनी भावनाओं, शब्दों या व्यवहार से दूसरे व्यक्ति को इस तरह प्रभावित करना कि वह अपनी इच्छा के बजाय आपके दबाव में फैसले लेने लगे। आपके मामले में पार्टनर तीन स्थितियों में ब्रेकअप की बात करता है। आप उसके मैसेज का तुरंत जवाब नहीं देतीं। आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताती हैं। आप उसकी किसी बात से असहमत होती हैं। इनमें से कोई भी बात रिश्ता खत्म करने की वजह नहीं है। ये आपकी सामान्य जिंदगी और व्यक्तिगत आजादी का हिस्सा है। लेकिन आपका पार्टनर इन बातों को रिश्ते के प्रति आपकी बेरुखी बताता है। फिर अलग होने की धमकी देता है। इसका असर यह होता है कि अगली बार आप अपनी मर्जी से कोई भी काम करने से पहले कई बार सोचेंगी। आप उसकी नाराजगी से बचने के लिए अपनी जरूरतों और पसंद को पीछे रखने लगेंगी। इस तरह ब्रेकअप की धमकी इमोशनल प्रेशर बनाने का एक औजार बन जाती है। इमोशनल मैनिपुलेशन के संकेतः- बात न होना। इमोशनल इममैच्योरिटी। दूसरों पर कंट्रोल की इच्छा। अधिकार जताने की प्रवृत्ति। आत्मविश्वास की कमी।नार्सिसिस्ट पर्सनैलिटी होना। असहमति बर्दाश्त न होना। क्या ये इमोशनल ब्लैकमेल है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि ब्रेकअप की बात किस इरादे और किस तरीके से की जा रही है। अगर कोई व्यक्ति लगातार धमकी देता है कि मेरी बात नहीं मानी तो मैं रिश्ता खत्म कर दूंगा, तो यह इमोशनल ब्लैकमेल का रूप ले सकता है। उदाहरण के लिए, आप दोस्तों के साथ बाहर जाना चाहती हैं। लेकिन पार्टनर कहता है कि अगर तुम्हें उनके साथ ही समय बिताना है तो हम अलग हो जाते हैं। अब आपके सामने दो विकल्प हैं। या तो आप अपनी इच्छा छोड़ दें या रिश्ता टूटने का डर झेलें। दोनों ही स्थितियों में यह हेल्दी नहीं है। इमोशनल मैनिपुलेशन का मेंटल हेल्थ पर असरः-लगातार ब्रेकअप की धमकियां मिलने से रिश्ते में भावनात्मक असुरक्षा पैदा होती है। धीरे-धीरे आप कई तरह के बदलाव महसूस कर सकती हैं, जैसेकि आप- हर बात कहने से पहले सोचने लगेंगी। पार्टनर के मूड को लेकर सतर्क रहेंगी। अपनी पसंद और जरूरतों को इग्नोर करेंगी। दोस्तों और परिवार से मिलने में अपराधबोध महसूस करेंगी। छोटी असहमति पर भी रिश्ता टूटने का डर रहेगा। खुद को हर झगड़े के लिए जिम्मेदार मानने लगेंगी। लंबे समय तक ऐसी स्थिति रहने पर तनाव, बेचैनी, आत्मविश्वास में कमी और भावनात्मक थकान हो सकती है।इमोशनल मैनिपुलेशन का असरः- मेंटल हेल्थ पर- हर समय डर, असुरक्षा होना। आत्मविश्वास कम होना। हर झगड़े में खुद को दोष देना। तनाव और बेचैनी बढ़ना। अपनी बात कहने से हिचकना। अपने फैसलों पर शक करना। दोस्तों, परिवार से दूरी बनाना। अकेलापन महसूस करना। नींद और फोकस कम होना। क्या आपको पार्टनर से बात करनी चाहिए? हां। किसी शांत समय में इस बारे में खुलकर बात करें। पार्टनर को बताएं कि हर छोटी-छोटी असहमति पर ब्रेकअप की धमकी देना आपको कितना परेशान करता है। स्पष्ट रूप से कहें कि आप रिश्ते में रहना चाहती हैं, लेकिन डर के साथ नहीं। एक स्पष्ट सीमा तय करें। समझाएं कि ब्रेकअप कोई ऐसी बात नहीं है जिसे हर झगड़े में इस्तेमाल किया जाए। अगर वह सच में रिश्ता खत्म करना चाहते हैं, तो उस पर गंभीरता से बात होनी चाहिए। अगर नहीं, तो धमकी देना बंद करना होगा। कैसे जानें कि पार्टनर सच में बदलना चाहता है? यह समझने का सिर्फ एक ही तरीका है। व्यक्ति के शब्दों और वादों के बजाय उसके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे। अगर वह सच में बदलाव चाहता है, तो कुछ संकेत दिखाई देंगे- वह अपनी गलती स्वीकार करेगा। हर असहमति पर ब्रेकअप की बात नहीं करेगा। आपकी व्यक्तिगत आजादी का सम्मान करेगा। दोस्तों से मिलने या अपनी पसंद के काम करने पर नाराज नहीं होगा। गुस्से में भी अपमानजनक या धमकी भरी भाषा नहीं बोलेगा। गलती दोहराने पर सिर्फ माफी नहीं मांगेगा, बल्कि उसे सुधारने की कोशिश करेगा। बदलाव के ठोस संकेतः- अपनी गलती मानना। गलती को रिपीट न करना। असहमति का सम्मान करना। अपनी भावनाओं को कंट्रोल करना। पार्टनर की आजादी स्वीकार करना। व्यवहार में लगातार सुधार दिखना। स्वस्थ रिश्ते की बुनियादः- एक स्वस्थ रिश्ता वह है, जिसमें आप बिना डरे अपनी बात कह सकें। जहां असहमति के बावजूद सम्मान बना रहे। प्यार का मतलब किसी को खोने का डर दिखाकर अपने साथ बनाए रखना नहीं है। आपको यह साबति करने की जरूरत



मनवाने के लिए डर दिखाना। दोस्तों से मिलने पर नाराज होना। असहमति को 'प्यार की कमी' बताना। हर बार आपको गलत ठहराना। अपनी गलती का दोष आप पर डालना। गलती करके खुद को पीड़ित बताना। माफी मांगकर वही व्यवहार दोहराना। पार्टनर पर अपनी पसंद थोपना। पार्टनर को गिल्ट महसूस कराना। अपनी शर्तों पर रिश्ता चलाना। बॉयफ्रेंड क्यों करता है मैनिपुलेट? मैनिपुलेट करने के पीछे असुरक्षा, भावनाओं पर नियंत्रण न होना और रिश्ते में डॉमिनेट करने की इच्छा जैसे कारण हो सकते हैं। कुछ लोग गुस्से या असहमति को संभाल नहीं पाते और पार्टनर को डराकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं। कारण जो भी हो, इस तरह का व्यवहार बिल्कुल वाजिब नहीं है। मैनिपुलेट करने के कारणः- असुरक्षा की भावना। छोड़ दिए जाने का डर। गुस्से पर नियंत्रण न होना। रिश्ते में पावर बैलेंस बनाए रखने की कोशिश। अपनी बात मनवाने की आदत। मैनिपुलेशन से कैसे निपटें? अपनी भावनाओं को समझें। खुद से पूछें कि आप रिश्ते में क्या चाहते हैं। अपनी जरूरतों और सीमाओं को पहचानें। पार्टनर से शांत समय में बात करें। 'मैं' स्टेटमेंट्स का इस्तेमाल करें। जैसे- 'मैं महसूस करती हूं कि...' दोषारोपण से बचें। पार्टनर की भावनाओं को सुनें। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करें। ब्रेकअप की धमकी को नजरअंदाज न करें। बार-बार ब्रेकअप की धमकी देना एक गंभीर व्यवहार है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर आपका पार्टनर इस व्यवहार को बदलने के लिए तैयार नहीं है, तो आपको अपने मानसिक स्वास्थ्य और खुशी के लिए कठोर फैसला लेना पड़ सकता है। याद रखें, आप अकेले नहीं हैं। मदद लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है।

'पंचायत' सीजन-5 प्राइम पर 3 दिसंबर को रिलीज होगा,सचिव-बनराकस के बीच दिखेगी खींचतान

मुंबई। प्राइम वीडियो ने बुधवार को 'पंचायत' के सीजन 5 की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह सीजन 3 दिसंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। रिलीज के बाद पंचायत पांच सीजन पूरे करने वाली भारत की



दूसरी वेब सीरीज बन जाएगी। टीवीएफ की ही वेब सीरीज 'गुल्लक' ओटीटी पर पांच सीजन पूरे करने वाली भारत की पहली सीरीज है। यह पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा सोनी लिव पर स्ट्रीम होती है। इसका पहला सीजन 2019 में रिलीज हुआ था। पंचायत के नए सीजन में नई कहानी में दर्शक फिर फुलेरा गांव और सचिवजी के साथ लौटेंगे। शो में गांव की राजनीति, बदलते रिश्ते और हल्का-फुल्का हास्य देखने को मिलेगा। शो में सचिव और नए प्रधान के बीच खींचतान दिखेगी। फुलेरा को नया प्रधान भूषण की पत्नी मंजूदेवी के रूप में मिला है। अब भूषण नए प्रधानपति के रूप में क्या करेगा, यही सीजन का बड़ा सवाल है। पंचायत सीजन 5 का निर्माण द वायरल फीवर (टीवीएफ) ने किया है। सीरीज में जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, सुनीता राजवर, फैजल मलिक, चंदन रॉय, दुर्गेश कुमार और अशोक पाठक नजर आएंगे। शो का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है। इसके क्रिएटर्स दीपक कुमार मिश्रा, चंदन कुमार रॉय और अरुणाभ कुमार हैं। पंचायत का पहला सीजन 3 अप्रैल 2020 को प्राइम वीडियो पर आया था। पहले सीजन को मिले अच्छे रिस्पॉन्स के बाद दूसरा सीजन 2022 में आया। तीसरा सीजन 2024 और चौथा सीजन जून 2025 में रिलीज हुआ। अब पांचवां सीजन करीब डेढ़ साल बाद दर्शकों के सामने होगा। 5 पॉइंट्स में जानिए कैसे सबसे पसंदीदा शो बनाः- 1. गांव की कहानी और छोटे शहरों के दर्शकों से जुड़ाव-पंचायत की कहानी उत्तर प्रदेश के काल्पनिक गांव फुलेरा पर आधारित है। इसमें इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अभिषेक त्रिपाठी की कहानी दिखाई गई है, जो बेहतर नौकरी नहीं मिलने के कारण गांव में पंचायत सचिव की नौकरी करने पहुंचता है। शहर में पढ़े-लिखे अभिषेक का गांव के माहौल में तालमेल बैठाने का संघर्ष कहानी का मुख्य आधार है। सीरीज में पंचायत चुनाव, जातिगत समीकरण, सरकारी योजनाएं, सड़क, पानी, बिजली और गांव की आपसी राजनीति जैसे मुद्दे दिखाए गए हैं। इन विषयों को किसी गंभीर डॉक्यूमेंट्री की तरह नहीं, बल्कि कॉमेडी और ड्रामा के जरिए पेश किया गया है। यही वजह है कि ग्रामीण दर्शकों को इसमें अपनी जिंदगी दिखाई देती है, वहीं शहरों में रहने वाले लोग गांव की व्यवस्था और संस्कृति को समझ पाते हैं। इंजीनियरिंग को नौकरी न मिलने का मुद्दा हमेशा हंसी का कारण माना जाता है, ऐसे में अभिषेक के किरदार से यंगस्टर्स ने भी लगाव महसूस किया। 2. कॉमेडी, जो बिना अश्लीलता और बड़े पंचलाइन के हंसाती है-पंचायत की कॉमेडी इसकी सबसे बड़ी खासियतों में शामिल है। इसमें गाली-गलौज या डबल मीनिंग डायलॉग्स के बजाय रोजमर्रा की परिस्थितियों से हास्य पैदा किया गया है। सचिवजी का गांव की समस्याओं से परेशान होना, प्रधानजी का राजनीतिक दांव-पेच खेलना और विकास (चंदन रॉय का किरदार) की मासूमियत दर्शकों को पसंद आई। सीरीज के कई डायलॉग्स सोशल मीडिया पर मीम्स बन गए। 'देख रहा है बिनोद' और 'गजब बेइज्जती है' जैसे डायलॉग इंटरनेट पर खूब लोकप्रिय हुए। इससे सीरीज को पहुंच उन दर्शकों तक भी हुई, जिन्होंने शायद इसे शुरुआत में नहीं देखा था।इसकी राइटिंग टीम ने गांव की छोटी घटनाओं को भी कहानी का हिस्सा बनाया। यही वजह है कि इसमें बड़े ट्विस्ट या लगातार एक्शन की जरूरत नहीं पड़ती। 3. मजबूत किरदार और कलाकारों की एक्टिंग बनी ताकत-सीरीज की लोकप्रियता का बड़ा कारण इसके किरदार हैं। जितेंद्र कुमार ने अभिषेक त्रिपाठी, रघुबीर यादव ने प्रधान जी, नीना गुप्ता ने मंजू देवी, चंदन रॉय ने विकास और फैसल मलिक ने प्रह्लाद चा का किरदार निभाया। इन किरदारों की खासियत यह है कि कोई भी पूरी तरह हीरो या विलेन नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी सोच, परेशानी और महत्वाकांक्षा है। प्रधान जी गांव की राजनीति संभालते हैं, मंजू देवी अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती हैं और विकास अपनी सहजता से दर्शकों को हंसाता है। वहीं, दूसरे सीजन में प्रह्लाद चा के बेटे की शहादत वाला ट्रैक सीरीज का भावनात्मक पक्ष सामने लाता है। फैसल मलिक के अभिनय को दर्शकों से काफी सराहना मिली। इस तरह कॉमेडी के साथ इमोशन का संतुलन भी इसकी लोकप्रियता की वजह बना।

'अमिताभ बच्चन के नौकर को भी नहीं मार सकता',बिग बी को धमकी देने वाले गोल्डी पर भड़के लॉरेंस गैंग के मन्ना-मंदीप

मुंबई। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों को लॉरेंस गैंग के कथित कनाडा हैंडलर मन्ना ब्रैम्पटन और स्पेन में मौजूद मंदीप स्पेन ने अमिताभ बच्चन को धमकी देने को लेकर निशाना साधा। सोमवार को



गोल्डी ने अमिताभ बच्चन को धमकी भरा पोस्ट किया था। इसके अगले दिन मन्ना और मंदीप ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। उन्होंने गोल्डी को पब्लिसिटी पाने का भूखा बताया। दोनों ने गोल्डी पर अमृतसर में एलजीबीटीक्यू सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गोल्डी अमिताभ बच्चन जैसे बड़े कलाकार को निशाना बनाने की ताकत नहीं रखता। यहां तक कि उनके घर में काम करने वाले लोगों को भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता। मन्ना और मंदीप ने दावा किया कि गोल्डी पहले जर्मनी के एक रेस्टोरेंट में बर्तन धोने का काम करता था। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का बदला लेने की बात को भी लोगों का ध्यान खींचने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि गोल्डी पंजाब का एक छोटा चोर और हेरोइन बेचने वाला था। उसके खिलाफ नशे की तस्करी और केबल तार चोरी करने के मामले में एफआईआर भी दर्ज थीं। पोस्ट में दावा किया गया कि गोल्डी हथियार रखने की बातें करता था, लेकिन जर्मनी में हमले के दौरान उसके पास बचाव के लिए सिर्फ एक चाकू था। वह किसी तरह वहां से बच निकला और बाद में जर्मनी छोड़कर चला गया। यह भी दावा किया गया कि कनाडा में तीन हत्याएं और 20 से 25 फायरिंग की घटनाएं करवाकर उन्होंने गोल्डी को अपराध की दुनिया में पहचान दिलाई थी। उन्होंने कहा कि गोल्डी अपने लोगों से वारदात करवाता था और बाद में पुलिस को सूचना देकर उन्हें गिरफ्तार करवा देता था। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन घटनाओं का श्रेय खुद लेता था। दोनों ने गोल्डी को किसी भी देश में आमने-सामने आने की चुनौती दी। साथ ही लोगों को उससे दूर रहने की चेतावनी दी। पोस्ट के अंत में यह भी कहा गया कि गोल्डी ढिल्लों अमिताभ बच्चन को मारना तो दूर, पूरी जिंदगी में उनके नौकर को भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता। सूत्रों के मुताबिक, इस पोस्ट से पहली नजर में यह संकेत मिला कि गोल्डी ढिल्लों ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से अपना रास्ता अलग कर लिया है। सोमवार को अमिताभ बच्चन को धमकी देते हुए गोल्डी ने अपनी पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई का नाम नहीं लिया था। हालांकि, उसने रॉकी पुर्तगाल और सुमन जर्मनी समेत गैंग के कई दूसरे लोगों के नाम लिखे थे।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।